Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 235 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, सोमवार 11 मार्च 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म वह माना जाता है, जिसके द्वारा पाप का नाश हो।

What destroys sin is religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

भोपाल में मंत्रालय भवन में लगी भीषण आग, कई अहम सरकारी दस्तावेज जलकर खाक

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के वल्लभ भवन (मंत्रालय) में तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण है कि दूर से ही धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंच गई है। दमकलकर्मी मंत्रालय भवन में लगी भीषण आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटे हैं। सूत्रों के अनुसार आग लगने से कई अहम दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं। पांच और छह नंबर गेट के सामने सफाई कर रहे कर्मचारियों ने बिल्डिंग में धुंआ उठता देखा। जिसके बाद मंत्रालय के सुरक्षा अधिकारी और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस समेत दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। चार दमकल की गाड़ियों से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। मंत्रालय में शनिवार को छुट्टी होने की वजह से कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था।

बिहार विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस बैक फुट पर,अपनी सीट भी नहीं मिली

पटना। बिहार विधान परिषद की रिक्त होने वाली 11 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिन सीटों के लिए चुनाव होने हैं, उसमें एक सीट कांग्रेस की भी है, लेकिन वह सीट भी कांग्रेस के हिस्से नहीं आई। महागठबंधन की ओर से जारी प्रत्याशियों की सूची में कांग्रेस के प्रत्याशी का नाम नहीं है। दरअसल, शुक्रवार को महागठबंधन की ओर से जारी प्रत्याशियों की सूची में राजद की ओर से चार और भाकपा माले की ओर से एक प्रत्याशी के नाम दिए गए हैं। महागठबंधन के एक नेता हालांकि इस मामले में सफाई देते हुए कहते हैं कि राज्यसभा चुनाव में जो तीन सीटें महागठबंधन के कोटे में आई थी। उसमें से एक सीट कांग्रेस के खाते में आई। लेकिन सवाल उठाया जा रहा है कि राज्यसभा में वही सीट कांग्रेस को दी गई, जो उनकी पहले से ही थी।

भारत के लोग हमें माफ करें',बहिष्कार के बाद मालदीव की हालत खराब

नई दिल्ली। भारत और मालदीव के बीच राजनयिक विवाद जारी है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने बहिष्कार को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि इससे देश के पर्यटन पर असर पड़ा है। मोहम्मद नशीद ने मालदीव के लोगों की ओर से भारतीयों से माफी भी मांगी और कहा कि वह चाहते हैं कि भारतीय पर्यटक उनके देश में आते रहें। बता दें कि राष्ट्रपति नशीद इस वक्त भारत में ही हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव के बारे में मीडिया से बात की और कहा कि मालदीव के लोगों को माफ करना। मीडिया बातचीत में उन्होंने कहा कि, बहिष्कार ने मालदीव पर बहुत प्रभाव डाला है। और मैं वास्तव में इसे लेकर बहुत चिंतित हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मुझे और मालदीव के लोगों को इसका खेद है। जानकारी के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति ने मीडिया से कहा, मैं अपनी छुट्टियों पर मालदीव आऊंगा और हमारे आतिथ्य में कोई बदलाव नहीं होगा। पूर्व राष्ट्रपति ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की और कहा, मैं कल रात प्रधान मंत्री से मिला।

70 लाख से अधिक महिलाओं को अंतरित की महतारी वंदन की राशि

तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाना केंद्र का लक्ष्य

रायपुर/ विश्व परिवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की शुरूआत करते हुए 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं के खाते में 1000-1000 रूपए की प्रथम किश्त की राशि अंतरित की. महिलाओं के खाते में 655 करोड़ रुपए 57 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई. प्रधानमंत्री ने कहा कि ये मोदी की गारंटी है हमारी माताओं-बहनों को छत्तीसगढ़ सरकार नियमित रूप से प्रति माह 1000 रूपए की राशि अंतरित करेगी. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी टीम ने इस योजना का जितनी तेजी से क्रियान्वयन किया है उसके लिए मैं उन्हें जितनी बधाई दूँ, उतनी कम है. इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल सहयोगी राजधानी रायपुर के साईंस कालेज मैदान में आयोजित समारोह में उपस्थित रहे. प्रधानमंत्री ने जय जोहार के साथ उद्बोधन की शुरूआत की. मां दंतेश्वरी, मां बम्लेश्वरी और मां महामाया को आदरपूर्वक प्रणाम करने के साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को भी प्रणाम किया. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दो हफ्ते पहले मैंने आपके प्रदेश में 35 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया. आज मुझे नारी शक्ति को सशक्त बनाने वाली महतारी वंदन योजना को समर्पित करने का सौभाग्य मिला है. महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ की 70 लाख से अधिक माताओं बहनों को हर महीने एक हजार रुपए देने का वायदा किया गया. सरकार ने अपना वायदा पूरा किया. आज महतारी वंदन योजना के तहत छह सौ पचपन करोड़ रुपए की पहली किश्त जारी की गई और मैं स्क्रीन पर देख रहा

हूँ लाखों लाखों बहनों के दर्शन हो रहे हैं. अलग अलग स्थान पर आपसे आशीर्वाद प्राप्त करना यह भी सौभाग्य है.प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मुझे आपके बीच पहुंचना चाहिए था पर अलग-अलग कार्यक्रमों की वजह से आज उत्तर प्रदेश में हूँ और काशी से बोल रहा हूँ कल रात बाबा विश्वनाथ को प्रणाम करते हुए सभी देशवासियों की भलाई के लिए प्रार्थना की. बाबा विश्वनाथ की धरती से आपसे बात करने का अवसर मिला. मैं तो आपको बधाई देता ही हूँ. बाबा विश्वनाथ भी आपको आशीर्वाद दे रहे हैं. 8 मार्च को शिवरात्रि की वजह से यह कार्यक्रम करना संभव नहीं था पर आज बाबा भोले की नगरी से एक हजार रुपए पहुंच रहा है साथ ही भोले बाबा का आशीर्वाद भी पहुंच रहा है. आप सभी के खातों में हर महीने बिना किसी परेशानी के ये पैसा आता रहेगा. ये मेरा भरोसा है छत्तीसगढ़ की सरकार पर, ये मैं गारंटी दे रहा हूँ. जब माताएं-बहनें सशक्त होती हैं तो पूरा परिवार सशक्त होता है. डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता हमारी माताओं बहनों का कल्याण है. आज परिवार को पक्का घर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर, उवला का सस्ता सिलेंडर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर. 50 प्रतिशत से अधिक जनधन खाते वो भी महिलाओं के नाम पर. 65 प्रतिशत से ज्यादा मुद्रा लोन भी महिलाओं ने लिया है खासकर नौजवान बेटियों ने. उन्होंने अपना काम शुरू किया.प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में हमारी सरकार ने सेल्फहेल्प ग्रूप के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं का जीवन बदला. हमारी सरकार के प्रयासों से अब तक एक करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन गई हैं.

बाबा भोले की नगरी बनारस से पहुंच रहा है एक हजार रुपए

पीएम ने कहा कि 8 मार्च को शिवरात्रि की वजह से यह कार्यक्रम करना संभव नहीं था पर आज बाबा भोले की नगरी से एक हजार रुपए पहुंच रहा है। साथ ही भोले बाबा का आशीर्वाद भी पहुंच रहा है। आप सभी के खातों में हर महीने बिना किसी परेशानी के ये पैसा आता रहेगा। ये मेरा भरोसा है छत्तीसगढ़ की सरकार पर, ये मैं गारंटी दे रहा हूँ। जब माताएं-बहनें सशक्त होती हैं तो पूरा परिवार सशक्त होता है। डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता हमारी माताओं बहनों का कल्याण है। आज परिवार को पक्का घर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर, उवला का सस्ता सिलेंडर मिल रहा है वो भी महिलाओं के नाम पर। 50 प्रतिशत से अधिक जनधन खाते वो भी महिलाओं के नाम पर। 65 प्रतिशत से ज्यादा मुद्रा लोन भी महिलाओं ने लिया है खासकर नौजवान बेटियों ने। उन्होंने अपना काम शुरू किया।

कभी नियुक्ति पर हुआ था बवाल,अब चुनाव आयुक्त का अचानक इस्तीफा.

नई दिल्ली/ एजेंसी

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने लोकसभा चुनाव से कुछ हफ्ते पहले आज इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। अरुण गोयल के इस्तीफे पर राजनीति भी शुरू हो गई है। गोयल ने इस्तीफे के लिए व्यक्तिगत कारण बताए हैं। अब अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्त को लेकर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। कानून मंत्रालय के अनुसार, गोयल का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को ही स्वीकार कर लिया और वो आज से ही प्रभावी हो गया। गोयल का कार्यकाल वैसे दिसंबर 2027 तक था। सेवानिवृत्त नौकरशाह अरुण गोयल पंजाब कैडर के 1985 बैच के आईएएस अधिकारी थे। गोयल ने नवंबर 2022 में चुनाव आयुक्त का पद संभाला था। उन्होंने 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी और एक दिन बाद उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था। उन्होंने 21 नवंबर को कार्यभार संभाला था। फरवरी 2025 में मौजूदा राजीव कुमार के कार्यकाल की समाप्ति के बाद गोयल अगले मुख्य चुनाव आयुक्त बनने की कतार में थे। अरुण गोयल दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष थे। वह श्रम और रोजगार मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार भी थे। वो केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय में भी काम कर

चुके हैं। गोयल का कार्यकाल दिसंबर 2027 तक था। फरवरी में अनूप पांडे की सेवानिवृत्ति और गोयल के इस्तीफे के बाद तीन सदस्यीय चुनाव आयोग पैनल में अब केवल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बचे हैं। गोयल के इस्तीफे के पीछे के कारणों से जुड़े सवाल पर सूत्रों ने बताया कि हो सकता है कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया हो। गोयल और कुमार के बीच मतभेद की अटकलों को खारिज करते हुए सूत्रों ने कहा कि आंतरिक संचार और निर्णयों के रिकॉर्ड से पता चलता है कि गोयल द्वारा कोई असहमति दर्ज नहीं की गई थी। शुक्रवार की सुबह इस्तीफा देने वाले गोयल चुनाव ड्यूटी के लिए पूरे भारत में केंद्रीय बलों की तैनाती और आवाजाही को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय तथा रेलवे के शीर्ष अधिकारियों के बीच हुई। महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

संविधान को फिर से लिखना,नष्ट करना भाजपा का कुटिल एजेंडा

संविधान को फिर से लिखना,नष्ट करना भाजपा का कुटिल एजेंडा

नयी दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि संविधान को 'फिर से लिखना और नष्ट करना भाजपा व आरएसएस का एजेंडा है और पार्टी के सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने कहा है कि उनके दल को भारतीय संविधान बदलने के लिए 400 सीट जीतने की जरूरत है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसद की कथित टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संघ परिवार के छिपे हुए इरादों की सार्वजनिक घोषणा है. पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा सांसद का बयान तानाशाही थोपने के मोदी-आरएसएस के

कुटिल एजेंडे को एक बार फिर उजागर करता है. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस गुप्त रूप से तानाशाही लागू करना चाहते हैं, जिससे वे भारत के लोगों पर अपनी 'मनुवादी मानसिकता' थोपकर एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीन लेंगे. खरगे ने आरोप लगाया, कोई चुनाव नहीं होगा, या ज्यादा से ज्यादा दिखावटी चुनाव हो जाया करेंगे. संस्थानों की स्वतंत्रता कम कर दी जाएगी. अभिव्यक्ति की आजादी पर बुलडोजर चलाया जाएगा. आरएसएस और भाजपा हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने और विविधता में एकता को नष्ट कर देंगे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'संघ परिवार' के इन गुप्त उद्देश्यों को सफल नहीं होने देगी.कांग्रेस प्रमुख ने कहा, न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मजबूत स्तंभ हैं।और इन सिद्धांतों में कोई भी बदलाव बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर और हमारे श्रद्धेय संस्थापकों ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसका अपमान होगा।

ऑनर किलिंग : बिजनौर में शख्स ने जीजा को उतारा मौत के घाट

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के चांदपुर इलाके में झूठी शान की खातिर एक व्यक्ति ने अपने जीजा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। बिजनौर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया कि बीती रात करीब 8 बजे चांदपुर थाना पुलिस को एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एसएसपी ने कहा कि शुरुआती जांच में मृतक की पहचान मीरापुर खादर गांव निवासी 25 वर्षीय बृजेश उर्फ डब्बू के रूप में हुई है। एसएसपी ने कहा कि आरोपी लवी ने बहस के बाद अपने जीजा बृजेश की गोली मारकर हत्या कर दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मार्च 2024 को

85,000 करोड़ से अधिक राशि की रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे

- इसमे शामिल है नई रेल लाइनें, रेलवे गुड्स शेड, गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो, प्रधान मंत्री जन औषधि केंद्र, वन स्टेशन वन प्रॉडक्ट, सोलर पावर स्टेशन, रेल कोच रेसट्यूरेंट
- इसके साथ ही प्रधान मंत्री 10 नए वंदे भारत एक्सप्रेस, 4 वंदे भारत ट्रेन का विस्तार तथा अन्य ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ भी करेंगे

रायपुर/ विश्व परिवार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिनांक 12 मार्च' 2024 को 85,000 करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 5900 से अधिक रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे । लगभग 670 से अधिक रेलवे स्टेशनों और अन्य स्थानों से लोग इस कार्यक्रम में जुड़ेंगे । इस क्रम में सबसे पहले 10 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे । साथ ही 4 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के विस्तारित सेवाओं का शुभारंभ करेंगे । इसके अतिरिक्त 9 अन्य ट्रेनों का भी हरी

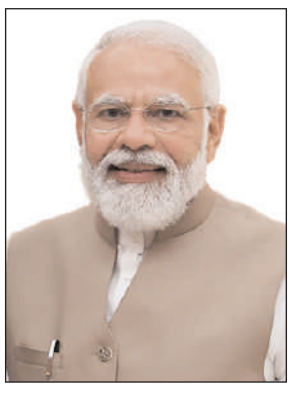

झंडी दिखाकर शुभरम्भ करेंगे । अभी तक 82 वंदेभारत ट्रेन सेवाएं भारतीय रेलवे में चल रही हैं, जो ब्रॉडगेज(बी.जी.)विद्युतीकृत नेटवर्क वाले राज्यों को जोड़ती हैं। ये वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेनें 24 राज्यों/ ज्ञह्य और 256 जिलों से गुजरती हैं । 10 जोड़ी और वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के साथ, भारतीय रेलवे में 104 सेवाएं (51 जोड़ी ट्रेन) शुरू हो जाएंगी । प्रधान मंत्री जी पूरे देश में 50 प्रधान मंत्री जन औषधी केंद्र का लोकार्पण करेंगे । इसमे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 4 केंद्र भी शामिल है । यह केंद्र जांजगीर नैला, पेंड्रा रोड, नागभीड़ और नैनपुर शामिल है । रेलवे स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों की भलाई और कल्याण को बढ़ाने के प्रयास में, भारतीय रेलवे ने स्टेशनों के सर्कुलेटिंग क्षेत्रों और कॉन्कोर्स में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र(पीएमबीजेके) स्थापित करने के लिए एक नीति ढांचे की संकल्पना की, जो लाइसेंस धारियों द्वारा संचालित होते हैं । सभी को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता पूर्ण दवाएं और उपभोग्य वस्तुएं (जनऔषधिउत्पाद) उपलब्ध कराने के भारत सरकार के मिशन को बढ़ावा देना । रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों/आगंतुकों को जन औषधि उत्पादों तक आसानी से पहुंचने में सक्षम बनाना । सस्ती कीमतों पर दवाएँ उपलब्ध करा कर समाज के सभी वर्गों के बीच कल्याण और कल्याण को बढ़ाना । रोजगार के अवसर पैदा करें और पीएमबीजे के खोलने के लिए उद्यमियों के लिए रास्ते तैयार करें । भारतीय रेलवे के मौजूदा उच्च घनत्व वाले मार्गों पर अधिक ट्रेनें चलाने के लिए लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए, स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग एक लागत प्रभावी समाधान है । ज्ञात हो की दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मे 300 किलो मीटर से अधिक का सेक्शन , स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग से लैस है । पूरे भारतीय रेलवे में 4000 रूट किलो मीटर से अधिक पर स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (क्रस्र) प्रदान की गई है । यात्रियों को एक अनोखा भोजन माहौल प्रदान करने के लिए, भारतीय रेलवे अपने प्रमुख स्टेशनों और बिंदुओं पर रेल कोच रेस्तरां खोल रहा है । यह पहल अद्वितीय अनुभव चाहने वाले यात्रियों का ध्यान आकर्षित कर रही है । रेल कोच रेस्तरां का लक्ष्य यात्रियों और जनता की जरूरतों को पूरा करना है । बिलासपुर रेलवे स्टेशन परिसर में एक रेल कोच रेस्तरां का लोकरपन भी प्रधान मंत्री इस अवसर पर करेंगे ।

रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समाज के वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना शुरू की है ।

रायपुर प्रेस क्लब के नये पदाधिकारियों ने ली शपथ,वरिष्ठजनो ने साझा किए अपने अनुभव

रायपुर/ विश्व परिवार

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब में पांच साल बाद 17 फरवरी को चुनाव संपन्न हुआ और 10 मार्च को नये पदाधिकारियों ने पूर्व प्रेस अध्यक्षों व वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में शपथ लिया। वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध ने अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल ठाकुर, उपाध्यक्ष श्री संदीप शुक्ला, महासचिव डॉ वैभव शिव पांडे, कोषाध्यक्ष रमन हलवई, संयुक्त सचिव सुश्री तृप्ति सोनी व बम्लेश्वर (अरविंद) सोनवानी को शपथ दिलवाया। इस दौरान वरिष्ठजनों ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यो का अनुभव साझा किया। वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध ने कहा कि इस बात से मैं आनंदित हूं कि एक बार फिर से प्रेस क्लब में वरिष्ठजनों का आना शुरु हुआ है। जब वे पत्रकारिता की शुरुआत किए थे तब गिनती के 8-10 लोग ही प्रेस क्लब में आया करते थे और पत्रकारवार्ता अटेन कर चला जाए करते थे। उन्होंने अपने पत्रकारिता के जीवन में दो बार कफ्यू लगते हुए देखा है और इस दौरान कुछ पत्रकार तो डंडा भी खाए है। पत्रकारिता करते समय हमें यह नहीं देखना चाहिए कि सरकार किसकी हैं लेकिन अभी जो पत्रकारिता हो रही है वह समझ से परे है। जब वे पत्रकारिता करते थे तो सरकार में बैठे लोग डरते थे कि आज उनके खिलाफ कहीं खबर तो प्रकाशित या प्रसारित न हो जाए। जब हमारा छत्तीसगढ़ नहीं बना था और वह मध्यप्रदेश में आया करता था उस समय किसी बात को लेकर पत्रकारों और सरकार के कुछ नुमाइंदों के साथ कहासुनी हो गई थी और रायपुर प्रेस क्लब के नेतृत्व में रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के पत्रकारों ने राज्य सरकार की खबरों को अपने मीडिया संस्थान में छापने से मना कर दिया था और इसका अखबार के मैनेजमेंट और मालिकों ने पूरा समर्थन किया था। इस बात की जानकारी जैसे ही कलेक्टर और कमिश्नर को हुआ और रायपुर प्रेस क्लब आए और माफी मांगे। मैं युवा पत्रकारों खासकर महिला पत्रकारों को से कहना चाहते है कि उस समय गिने-जुने ही महिला पत्रकार हुआ करती थी जब भी वे काव्हरेज करने जाए तो दो पहलुआ को जरुर देंखे इससे हमारे समाज पर क्या असर होगा और दोनों को दिखाएंगे। अगर राज्य सरकार अच्छा कर रही है तो उसका तरीफ जरुर करें लेकिन उसके दूसरे पहलुओं पर भी नजर जरुर रखें और उसे भी

दिखाएं और पढ़ाएं। एकतरफा रिपोर्टिंग नहीं होनी चाहिए, जो उस समय हो सकता है वह इस क्यों नहीं। रायपुर प्रेस क्लब के नये पदाधिकारियों अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल ठाकुर, उपाध्यक्ष श्री संदीप शुक्ला, महासचिव डॉ वैभव शिव पांडे, कोषाध्यक्ष रमन हलवई, संयुक्त सचिव सुश्री तृप्ति सोनी व बम्लेश्वर (अरविंद) सोनवानी को वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध ने शपथ दिलवाया। इस दौरान उनकी टीम ने रायपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह के रुप में पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। रायपुर प्रेस क्लब के वरिष्ठ पत्रकारों ने अपने कार्यकाल के अनुभवों को अनुभवों को शेयर किया। वरिष्ठ पत्रकार केके शर्मा ने कहा कि हनुमान जी को भी छोटा रूप लेकर बड़े-बड़े कार्य करना पड़ा वैसे ही हमारे पत्रकारों को भी करना पड़ रहा है। रायपुर प्रेस क्लब पूरे छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करता है और राज्य के सभी प्रेस क्लब के अध्यक्षों को मिलकर एक मजबूत टीम बनाकर कार्य करना चाहिए। त्रिराज साहू ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में जो भी सेलिब्रिटी यहां आते हैं उन्हें एक बार जरुर प्रेस क्लब बुलाना चाहिए और युवा पत्रकार यह देख और सीख सकें कि वरिष्ठजन कैसे सवाल करते हैं और उनसे चर्चा करते है। क्योंकि हमारे समय में जो भी सेलीब्रिटी रायपुर आते थे तो उन्हें रायपुर प्रेस क्लब में आना जरुरी होता था और इस दौरान जो युवा पत्रकार यहां आते थे उन्हें सह सिखाया जाता था कि उनसे कैसे बातचीत किया जाता है और सवाल किया जाना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार उमेश मिश्रा ने कहा कि यहां पर 23 साल से लेकर 73 साल के पत्रकार मौजूद है और यह हमारे रायपुर प्रेस क्लब के लिए ऐतिहासिक क्षण है और यह पत्रकारों की एकता मीडिया को ऊंचाई की बुलंदी पर ले जाएगी। यह उपस्थिति बता रही हैं कि अब मीडिया की ताकत मजबूत हुई है और हमें इस मजबूती को टूटने नहीं देना। रायपुर प्रेस क्लब के नये अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर और उनकी टीम को शुभकामनाएं देते हुए सलाह दिया कि इस ताकत को टूटने न दें और वरिष्ठजनों से समय-समय पर सलाह जरुर लें।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाज़ार
रायपुर, सोमवार 11 मार्च 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने सरकार दे अनुदान, विस अध्यक्ष को सौंपा प्रोजेक्ट

दुर्ग (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सरकार से पहले किए जाने की मांग की गई है। गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग द्वारा कार्ययोजना तैयार कर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को एक प्रोजेक्ट सौंपा गया है। समिति के प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष करुणा यादव के नेतृत्व में डॉ. सिंह से मुलाकात की। श्रीमती यादव ने उन्हें अवगत कराते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में श्वेत क्रांति लाने की जरुरत है। समिति ने एक प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रोजेक्ट करीब 1.64 करोड़ रुपए का है। श्रीमती यादव ने बताया कि पूर्व मंत्री हेमचंद यादव के संरक्षण में यह समिति गठित की गई थी। शिक्षित, बेरोजगार, गरीब यादव महिलाओं ने मिलकर समिति बनाई। संस्था का उद्देश्य आम जनता को शुद्ध दुग्ध सही दाम पर उपलब्ध कराना है। संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण समिति सही तरीके से काम नहीं कर पा रही है। श्रीमती यादव ने सरकारी मदद की मांग की। उन्होने बताया कि गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित दुर्ग संस्था में सर्वसमाज के शिक्षित बेरोजगार, गरीब महिलाएं शेयर खरीदकर अपने योग्यता के अनुरूप काम भी कर सकती है। एक शेयर मात्र 100 रूपये का है।

श्री सिद्धेश्वर धाम मंदिर उरला रेल्वेक्रासिंग में महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

दुर्ग (विश्व परिवार)। सिद्धेश्वर धाम मंदिर उरला रेल्वेक्रासिंग दुर्ग में महाशिवरात्रि पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर ब्रम्ह महूर्त प्रात: 5 बजे से मंदिर में श्रद्धालूओं ने भगवान भोलेनाथ में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक पूजन अर्चन का कार्य प्रारंभ हो गया। जिसमें बडी संख्या में महिलाएं, पुरुष, युवा युवतियां बच्चे मंदिर में पूजा अर्चना कर देवाधिदेव महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग सजाया गया था। दोपहर में श्रद्धालुओं द्वारा बडी संख्या में पार्थिव शिव लिग का निर्माण कर रुद्राभिषेक हवन पूजन अर्चन कर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। प्रदोष काल में सायं श्री सिद्धेश्वर धाम मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा सामूहिक रूद्राभिषेक महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। श्री सिद्धेश्वर धाम मंदिर में प्रति वर्ष श्रद्धालुओं की भीड बढ़ती जा रही है। श्री सिद्धेश्वर महादेव की कृपा से मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा सभी पर्वों, त्यौहारों को उत्साह पूर्ण मनाने की पुरी व्यवस्था की जाती है जिसमें उरला रामनगर गयानगर के नागरिकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

अफशा मस्जिद भटगांव पहले ही दीन बना कौमी एकता का मरकज़

मुसाफिरों के लिए वरदान और कौमी एकता की मिसाल होगी यह मस्जिद

रायपुर (विश्व परिवार)। भटगांव माना बस्ती न्यू हाइवे पर बेहद खूबसूरत अफशा मस्जिद की इब्तिदा (शुभारंभ) 10 मार्च, रविवार को किया गया । यह मस्जिद रायपुर ही नहीं छत्तीसगढ़ की खूबसूरत मस्जिदों में शुमार होगी। ऐसी मस्जिद अरब देशों में देखने को मिलती है। यह मस्जिद खास तौर पर मुसाफिरों की खिदमत की नीयत से बनाया गया है । इस मस्जिद में हर समाज के मुसाफिर को 24 घंटा गरम खाने, फ़िल्टर पानी, कुछ घंटे आराम करने व दवाखाने की व्यवस्था दी जाएगी, यह सभी व्यवस्था निशुल्क होगी। पूरे देश में यह पहली मस्जिद होंगी जो खिदमत करेगी।

इस मस्जिद को कौमी एकता का मरकज़ भी माना जा रहा है क्योंकि आज इसकी इब्तिदा (शुभारंभ) के लिए मुस्लिम समाज के साथ सर्व समाज के प्रमुख लोग उपस्थित हुए । जिसमें आर्क बिशप कैथोलिक चर्च बिशप विक्टर हैंनरी, फादर सबेस्टीयन , वीं के कासु , शादानी दरबार की ओर से नन्दलाल जी, दीपक कुकरेजा , सिख समाज से बाबा बूढ़ा साहब से सरदार मनमोहन सिंह, दलेर सिंह , रंधावा जी, गुरमुक सिंह चिमा, सतनामी समाज की ओर से धरम जी, मनीष रात्रे जी , जयंती लाल , बौद्ध समाज के प्रमुख, भटगांव के पंच सरपंच उपस्थित हो कर मस्जिद के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी और सहयोग रूपी अलग-अलग समाज द्वारा वाटर कूलर , लाइट, श्रमदान दिया और इस मस्जिद में होने वाली मुसाफिरों की खिदमत में अपनी सेवा देने का वादा किया। और सबने अपनी अपनी बेहतरीन बातें रखी। सैय्यद फैसल रिज़्वी व उनके परिवार द्वारा इस मस्जिद की देखरेख व खिदमाती काम को अंजाम दिया जाएगा।

भविष्य में शासन प्रशासन से अनुमति प्रदान कर रायपुर दर्शन की लिस्ट में इस खूबसूरत मस्जिद को भी शामिल करने की कोशिश की जाएगी।

आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना में रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों/हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि को आजीविका के बेहतर अवसर

'एक स्टेशन एक उत्पाद' आउटलेट

रायपुर (विश्व परिवार)। रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समाज के वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य देश भर के रेलवे स्टेशनों पर बिक्री आउटलेट के प्रावधान के माध्यम से स्थानीय कारीगरों, कुम्हारों, बुनकरों/हथकरघा बुनकरों, शिल्पकारों आदि को आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान करना है।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश भर में विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखना/राष्ट्र को समर्पित करना और ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने कार्यक्रम दिनांक 12.03.2024 प्रात: 9:15 पर किया जाना है।

उक्त कार्यक्रम में प्रात: 8:00 बजे से 9:15 तक रायपुर मंडल के 07 स्टेशनों पर स्थानीय कारीगर एक स्टेशन एक उत्पाद आउटलेट योजना व उसके लाभ के बारे में अपने क्षेत्र के नजदीकी स्टेशन(भानुप्रतापपुर, दल्ली-राजहरा, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बिल्हा एवं भाटापारा) पर दिनांक 12.03.2024 को प्रात: 8:00 बजे उपस्थित होकर योजना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते है7 उपरोक्त स्टेशनों के करीब के कामगार कार्यक्रम से सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे के कर्मचारी व कल्याण निरीक्षको से संपर्क कर सकते है भानुप्रतापपुर(मयंक श्रीवास्तव-7400264496), दल्ली-राजहरा(विजय कुमार-9752877964), दुर्ग(एफएन अहमद-9752877609), भिलाई (सत्यनारायन-9752877608), रायपुर- वाय वी शंकर-9752444520), बिल्हा(मोहम्मद एहसान अहमद-9752444501) भाटापारा-मणीशंकर ओझा-7223029944).

अवैध शराब विक्रय करने वालों पर लगातार कार्यवाही जारी

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार व सहायक आयुक्त आबकारी राजेश जायसवाल के मार्गदर्शन में 9 मार्च को आबकारी विभाग द्वारा कुल दो प्रकरण कायम किए गए। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को ध्यान में रखते हुए आबकारी अमले द्वारा अवैध रूप से मदिरा का विक्रय, परिवहन एवं धारण करने वाले आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही है तथा उनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही विभाग के द्वारा बस स्टेशनों, रेल्वे स्टेशनों, होटल एवं ढाबों तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में लगातार गश्त जांच की कार्यवाही जारी है। प्रथम प्रकरण में ग्राम असोगा थाना रानीतराई में अवैध शराब के परिवहन विक्रय एवं धारण की सूचना पर त्वरित एवं विधिवत कार्यवाही कर आरोपी प्रफुल्ल टंडन आत्मज स्व. गोवर्धन लाल टंडन के कब्जे से 23 बल्क लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब एवं 75 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। दूसरे मामले में ग्राम औसर में आरोपी नकुल भारती आत्मज आनंद राम के कब्जे से 26 पाव देशी मदिरा मसाला जप्त कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10058/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10058
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569B00739** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती Rita Maini** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.K. Maini** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SATISH PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM SANEHI PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10032/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10032
वार्ड का नाम-42-पं. सुन्दरलाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR566F00579** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RAMKUMAR MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHUSHAN LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ANADI MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMKUMAR MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10031/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10031
वार्ड का नाम-42-पं. सुन्दरलाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 42 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR565F00213** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती MULCHAND DESHMUKH** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. MEERA DESHMUKH 2. REETA DESHMUKH, 3. NITESH DESHMUKH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. MEERA DESHMUKH 2. REETA DESHMUKH, 3.NITESH DESHMUKH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**BI SAPATH PATRA, BAINAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री सुशील कुमार चौधरी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10061/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10061
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569G00248** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती 1. PARIMAL SHARMA S/O ASHOK SHARMA 2. RAJKUMAR SHUKLA S/O RADHIKA PRASAD SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1.PARIMAL SHARMA, 2. JAGRITI SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK SHARMA, PARIMAL SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10062/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10062
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569I00217** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती Sundar Lal Dhakate** पिता/पति, श्री/श्रीमती........के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती VISHNU PRASAD DHAKATE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SUNDER LAL DHAKATE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/........../ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री सुशील कुमार चौधरी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10060/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10060
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569G00212** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती KAMLESH DEVI AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ROSHNI KRUSHNAKANT BACCHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KRUSHNAKANT SHYAMSUNDER BACCHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10028/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10028
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567B00329** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती ASHWANI KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHARAD PRASAD SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती 1. KIRAN SHARMA, 2. KANWAL SHARMA, 3. RAKESH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. ASHWANI KUMAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10057/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10057
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567C0264A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती KU. ASHALATA YADU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHIVRATAN YADU** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती NEHA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. CHITRAKANT VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10059/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10059
वार्ड का नाम-41-दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR569D00106** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती Jagdish Nirvan** पिता/पति, श्री/श्रीमती........के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती MANISH NIRWAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. JAGDISH NIRWAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/........../ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री सुशील कुमार चौधरी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10065/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10065
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR560D00377** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती VIJENDRA KUMAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NARENDRA SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती AMIR KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHAUKAT KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10030/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10030
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR560D00296** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RAMBHA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMI PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती RAJENDRA UPADHAYAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. LAXMI PRASAD UPADHAYAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक़ त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10033/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10033
वार्ड का नाम-40-ठाकुर प्यारेलाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 40 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR560D0296A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RAMBHA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMI PRASAD** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती RENU UPADHYAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.K. UPADHYAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10029/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10029
वार्ड का नाम-68-खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567B00850** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती KULESHWAR PRASAD VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NETRAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ATAM RAMANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **OMPRAKASH RAMANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./10056/न.पा.नि./जोन क्रं. 5/2024
रायपुर दिनांक : 10-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10056
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR567K1215A** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती RADHA JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GAGAN KUMAR JHA** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती LATA THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NOHAR SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/**पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

राज्य स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन 11 मार्च को रायपुर में, पंचायती राज के सशक्तिकरण पर होगा विचार मंथन

जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

बिलासपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 11 मार्च को राज्य स्तरीय पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन में बिलासपुर जिले से भी हजारों पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान ने आज प्रेस क्लब में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए सम्मेलन की रूपरेखा बताई। जिला पंचायत के सीईओ आरपी चौहान एवं एडिशनल सीईओ रिमन सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष चौहान ने बताया कि सम्मेलन में 26 हजार पंचायत प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें राज्य के 27 जिला पंचायतों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित कुल 400 जिला पंचायत सदस्य, 146 जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित 2979 जनपद पंचायत सदस्य तथा 11647 सरपंच एवं इतने ही उप सरपंच सहित लगभग 26000 पंचायत प्रतिनिधियों का उक्त सम्मेलन में आमंत्रित किया जा रहा है। इसमें बिलासपुर जिले के सभी 483 सरपंच और

उप सरपंच, 100 जनपद सदस्य, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, 22 जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य भी हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम का आयोजन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम मे माननीय केंद्रीय मंत्री भारत सरकार, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा मंत्रीगण सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहेंगे।कार्यकम में पंचायती राज संस्था के सशक्तिकरण तथा विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की जाएगी।ग्राम पंचायत के द्वारा संकल्प पारित कर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से अभिन्नंदन पत्र पारित किया जाएगा ।जिसमें प्रधानमंत्री के प्रति विकास योजनाओ तथा व्यक्ति मूलक योजनाओं के अपने अपने पंचायतो में सफल कियान्वयन के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रो में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन, (बिहान) 15 वें वित्त आयोग आदि अनेक योजनाओ का संचालन किया जा रहा है।ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के तहत जहा रोजगार की गांरटी दी जा रही है, वही प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के द्वारा आवासहीन व अन्य जरूरत मंद परिवारों को पक्का मकान बनाने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। इसके साथ साथ महिलाओं के सशक्तीकरण आत्मनिर्भरता व आर्थिक उन्नति के लिए राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओ का समूह बनाकर उन्हें लखपति दीदी बनाने के लिए संगठित प्रयास किया जा रहा। महिलाओ के स्वाभिमान की रक्षा के लिए घर घर पक्के शौचालय का निर्माण किया गया है' राज्य सरकार की घोषण पत्र में उल्लेखित मोदी की गारंटी के अनुरूप महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित महिला को 1000 हजार प्रतिमाह देने की पूरी तैयारी कर ली गई है । इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत निशुल्क रसोई गैस का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओ का सचालन भी सफलता पूर्वक किया जा रहा है।

राजनीति से भ्रष्टाचार मिटाने महिलाओं की भागीदारी जरुरी हैं शशिप्रभा सोनी

चांपा। देश की राजनीति में महिलाओं का प्राधान्य होता जा रहा हैं । आज भी संसद , राज्यों की विधान सभाओं , विधान परिषदों ,नगर निगम ,नगर पालिका , जिला परिषद ,जनपद पंचायत या ग्राम पंचायत में महिलाओं की संख्या पहले की अपेक्षा अधिक हैं। राजनीति की गंदगी में महिला स्वच्छता की प्रतीक मानी जाती हैं इसीलिए विभिन्न राजनैतिक दल महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की पक्ष धर हैं । भारतीय सम-सामायिक समाज और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़े गौरव की बात ही हैं कि संसार के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा और राज्यसभा और देश के प्रतिष्ठित पद अर्थात् राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पदस्थ हैं । इससे पहले प्रधानमंत्री पद पर इंदिरा गांधी सुशोभित रह चुकी हैं । कई राज्यों में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के तौर पर महिलाएं कार्य कर रही हैं। हमारे शास्त्रों और पुराणों में भी कहा गया हैं कि जहां महिलाओं का सम्मान होता हैं वहां देवी-देवताओं का वास होता हैं । वैसे तो महिलाओं के लिए किसी खास दिन की दरकार नहीं हैं,वह हर दिन घर-परिवार और समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करती हैं , यह कहना हैं महादेवी महिला रत्न से

सम्मानित ,पूर्व पार्षद तथा सामाजिक कार्यकर्त्ता श्रीमति शशिप्रभा सोनी का ।दैनिक राजधानी से जनता तक के संपादकीय लेखक तथा प्रेस क्लब व स्वर्णकार समाज चांपा के मीडिया प्रभारी शशिभूषण सोनी की अर्द्धांगिनी हैं । उन्होनें कहा कि यह फक्र की बात हैं कि आज़ तक किसी नेता पर किसी घोटाले या भ्रष्टाचार के दाग़ नहीं लगे हैं और सभी का दामन पाक-साफ हैं । हमारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति उतनी अच्छी नहीं हैं प्रशासनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कारण आम नागरिक परेशान हैं ऐसी स्थिति में महिलाएं अधिक राजनैतिक शक्ति संचय करके देश व समाज में पनप रहे भ्रष्टाचार और दुर्व्यवस्था को दूर करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं । श्रीमति शशिप्रभा सोनी जी ने महिला दिवस पर कहा कि नारी उत्थान के चाहे जितने भी दावे किये जाएं किन्तु आज़ भी पुरुष प्रधान समाज में पुरुष अहं को छोड़ना नहीं चाहते और राजनैतिक क्षेत्रों में महिलाओं की श्रेष्ठता और योग्यता को पचा नहीं पाते हैं । केंद्र और छत्तीसगढ़ राज्य में सत्तारुढ़ सरकार महिलाओं के लिए अच्छी योजनाएं क्रियान्वित कर रही हैं ।नारी वंदन योजना के जरिये महिलाओं का जीवन स्तर उन्नत होगी । केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाएं लाकर महिलाओं को घर की चार दिवारी से बाहर निकालकर देश के निर्माण और विकास में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की हैं । एक समय ऐसा भी था जब भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में भी पितृसत्तात्मक सोच-विचार का बोलबाला था किन्तु बीते कुछ दशकों में यह परिवर्तन चला ।संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी वर्ष 1975 में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस घोषित करके महिलाओं को एक नई पहचान दिलाई और आज़ हम-सब प्रतिवर्ष 8 मार्च को महिला दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाती हैं । अब पूर्व की अपेक्षा आज़ महिलाओं का भविष्य उन्नत और उज्जवल हैं । देश के हर भाग और हर जाति की महिलाओं को पुरुषों के समानता व प्रधानता दी जा रही हैं । महिला दिवस की सभी बहनों,बेटियों और माताओं को बधाई एवं शुभ कामनाएं ।

लोकसभा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े का खोखरा में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जांजगीर-चांपा। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी बनने के पश्चात प्रथम खोखरा आगमन पर जांजगीर लोकसभा प्रत्याशी और भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष कमलेश जांगड़े का भाजपा जांजगीर ग्रामीण मंडल के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया । स्वागत के पश्चात लोकसभा प्रत्याशी ने मां मनका दाई मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की और लोकसभा क्षेत्र के जनता की मंगलकामनाएं की प्रार्थना की और होने वाले लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को एक नया जोस भरते हुए कार्यकर्ताओं के प्रधानमंत्री के 10 साल के विकाश कार्य को लेकर जनता के बीच जाने की बात कही । वही इस कार्यक्रम में भाजपा जांजगीर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भुनेश्वर

साहू,महामंत्री अजय राठौर ,नंदकिशोर राठौर , कोषाध्यक्ष भागवत यादव , पिछड़ा वर्ग मंडल अध्यक्ष लेखराम साहू , भाजपा युवा मोर्चा जांजगीर ग्रामीण मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद कश्यप ,महामंत्री विकास श्रीवास , आकाश तिवारी,सुमेर राठौर , अमन सिंह ,त्रिलोक साहू, पंचराम बरेठ,मोनू अग्रवाल ,संतोषी दुबे,पूजा राठौर, मनहरन विजयवार, शैलेंद्र पाण्डेय सरोज साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा जांजगीर ग्रामीण मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मीडिया सह प्रभारी पंकज अग्रवाल ने दी है।

मेडिकल प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस निर्लंबित

जांजगीर-चांपा। उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जांजगीर चांपा छ.ग. द्वारा मेडिकल प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया। जिसके जवाब का अवलोकन करने के पश्चात् गुण दोष के आधार पर उक्त प्रतिष्ठानों का लाइसेंस 5 से 15 दिवस के लिए निलंबित किया गया है।सहायक औषधि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि शिवसक्ति मेडिकल स्टोर्स, ग्राम मेंहदा, ब्लॉक नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स शारदा मेडिकल स्टोर्स कसेरपारा सक्ती, 07 दिवस, श्री शिवाय मेडिकल स्टोर्स, शिवरीनारायण, नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स संजय मेडिकल स्टोर्स, ग्राम पोड़ी खुर्द, बम्हनीडीह 07 दिवस,

मेसर्स यादव मेडिकल स्टोर्स, ग्राम दर्राभाठा, ब्लॉक जैजेपुर 12 दिवस, मेसर्स मान्या मेडिकल स्टोर्स, ग्राम कोटेतरा, ब्लॉक जैजेपुर, 12 दिवस, मेसर्स कृष्णा मेडिकल स्टोर्स, नया बाराद्वार सक्ती 07 दिवस, मेसर्स संदीप मेडिकलस्टोर्स, बस स्टैण्ड बाराद्वार 10 दिवस, श्री धनवतंरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, ग्राम खरौद, पामगढ़ 15 दिवस, मेसर्स मा प्रज्ञा मेडिकल टोर्स, पामगढ़ 07 दिवस, मेसर्स थवाईत मेडिकल स्टोर्स, पामगढ़ 03 दिवस, मेसर्स नंदू मेडिकल स्टोर्स, ग्राम अवरीद नवागढ़ 07 दिवस, मेसर्स युवराज मेडिकल स्टोर्स, ग्राम झलझला अकलतरा 15 दिवस, मेसर्स अशोक मेडिकल स्टोर्स, जांजगीर, नवागढ़ 05 दिवस, मेसर्स लक्ष्मी मेडिकोस, डभरा 12 दिवस मेसर्स आर.डी.सी. वर्षा मेडिकल टोर्स, ग्राम कलमी, ब्लॉक मालखरौदा का 10 दिवस के लिए लाइसेंस निलंबित किया गया है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर सरगुजा जिले के विभिन्न शिवालयों मे सरगुजा पुलिस की तगडी सुरक्षा व्यवस्था

जांजगीर चांपा। सरगुजा पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले के विभिन्न शिवालयों मे तगडी सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने हेतु 05 राजपत्रित पुलिस अधिकारियो के नेतृत्व मे कुल 230 से अभी अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी सुबह 4:00 बजे से तैनात किये गए , शिव मंदिरो मे श्रद्धालुओ कों बेहतर सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी मुख्य आयोजन स्थलों, मंदिरो, विभिन्न चौक चौराहो, ट्रैफिक्क व्यवस्था हेतु यातायात का बल विभिन्न प्रमुख मार्गो मे तैनात किया गया द्य सरगुजा पुलिस द्वारा महाशिवरात्री के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस पेट्रोलिंग टीम कों भी अलग अलग छेत्रो मे तैनात किया गया , पुलिस पेट्रोलिंग टीम अपने अपने छेत्रो मे लगातार भ्रमण कर व्यवस्था बनाये रखे, महाशिवरात्री के दौरान होने वाले विभिन्न आयोजनों मे अलग से कार्यालयीन बल, रक्षित केंद्र का बल कों तैनात किया गया ।

अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ कोरिया पुलिस की कार्यवाही

कोरिया बैकुंठपुर । 05 मार्च को जरिये मुखबीर से सूचना मिली की ग्राम शिवपुर थाना चरचा में अवैध कोयला तस्करी की कोशिश की जा रही है। उक्त सूचना से पुलिस अधीक्षक कोरिया को अवगत कराया गया, जिस पर पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा तत्काल उप पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में साइबर सेल प्रभारी के नेतृत्व में थाना चरचा एवं सायबर सेल की एक संयुक्त टीम को ग्राम शिवपुर, चरचा हेतु रवाना किया गया।पतासाजी के दौरान ग्राम शिवपुर के जंगल किनारे बांसबाड़ी में तस्करी करने के लिए 50 बोरी कोयला जूट बोरे में लावारिस हालत में मिला। कोयले से भरी 50 बोरी के एक बोरी का वजन करीब 40 किलो रहा, जिसका कुल वजन करीब 2000 किलो (दो टन) को जप्त किया गया। पुलिस की टीम द्वारा उक्त लावारिस हालत में रखे कोयले को धारा 102 सीआरपीसी के तहत स्वतंत्र गवाहों के समक्ष कार्यवाही कर घटना स्थल से बरामद किया गया है एवं कोयला तस्करों की निरंतर पतासाजी की जा रही है। भविष्य में भी कोरिया पुलिस अवैध गतिविधियों के नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है।

मजबूत इच्छाशक्ति और बुलंद हौसले से बिलासपुर की बेटी श्रद्धा तिवारी ने बनाई अपनी पहचान

- बिलासा देवी एयरपोर्ट में एकमात्र महिला हवाई यातायात नियत्रंण अधिकारी, फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग और टेकऑफमें इनकी अहम भूमिका

बिलासपुर। हमारे देश की महिलाओं ने आसमान से लेकर सरहद तक देश का परचम लहराया है। आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां महिलाओं के कदम आगे नहीं बढ़ रहे हो। मजबूत इच्छाशक्ति और बुलंद हौसलों के साथ हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी काबिलियत का लोहा मनवा चुकी हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की बेटी श्रीमती श्रद्धा तिवारी की कहानी पढ़िए जो बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट मे सम्मानित एक मात्र महिला हवाई यातायात नियंत्रण

अधिकारी हैं। उनके द्वारा फ्लाइट को सुरक्षित एवं सकुशल लैंडिंग एवं टेकऑफ कराया जाता है। श्रीमती श्रद्धा तिवारी ,पिता श्री राम प्रकाश तिवारी बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट मे 09 नवम्बर 2021 से निरंतर अपनी सेवाए दे रही हैं। उनके अनुकरणीय कौशल और समर्पण की सराहना एयरपोर्ट के सभी लोग करते हैं, जो सटीकता और अनुग्रह के साथ सुचारू और सुरक्षित आसमान सुनिश्चित करती है । विमानन सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और हवाई यातायात नियंत्रण की जटिलताओं से निपटने की उनकी उल्लेखनीय क्षमता उन्हें इस क्षेत्र में एक प्रेरणादायक प्रकाशस्तंभ बनाती है। हमारी असाधारण हवाई यातायात नियंत्रण अधिकारी को महिला दिवस की बहुत शुभकामनाएँ ।

चुन्नीलाल साहू व चौलेश्वर चंद्राकर BJP में हुए शामिल, आज ही दिया था दोनों ने कांग्रेस से इस्तीफा

जाँजगीर-चांपा। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव के पहले लगातार झटके मिल रहे हैं। एक तरफ बगावत का शोर गूंज रहा है, तो दूसरी तरफ एक के बाद एक कांग्रेस पार्टी से इस्तीफें का दौर शुरू हो रहा है। इधर दूसरी तरफ भाजपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा के बाद बिलासपुर संभाग के दो कांग्रेस नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। कांग्रेस के पूर्व विधायक चुन्नीलाल साहू और पूर्व जिला अध्यक्ष चोलेश्वर चंद्रकार ने

भाजपा ज्वाइन कर लिया है। इन दोनों नेताओं के साथ ही कुछ कांग्रेस के अन्य नेताओं ने किया भाजपा प्रवेश किया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव , डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा ने बीजेपी का गमछा पहनाकर भाजपा प्रवेश कराया।

चौलेश्वर चंद्राकर और चुन्नी साहू ने आज ही दिया था इस्तीफा

चौलेश्वर चंद्राकर और चुन्नीलाल साहू ने आज ही अपना इस्तीफा पीसीसी चीफ को दिया था। चुन्नीलाल साहू ने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया पर भी दी है। उन्होंने लिखा है कि 'कांग्रेस के समस्त दायित्यों और पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से रिजाइन कर दिया है। चुन्नीलाल साहू अकलतरा से 2013 में विधायक चुने गए थे।आपको बता दें कि चुन्नीलाल साहू पार्टी से नाराज चल रहे थे। हालंकि इससे पहले, विधानसभा चुनाव हार के बाद चुन्नीलाल साहू ने प्रदेश उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। 2018 विधानसभा चुनाव के दौरान चुन्नीलाल साहू ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार हुई थी।हालांकि ये अभी साफ नहीं है कि चुन्नीलाल साहू का राजनीति में अगला कदम क्या होगा, क्या वो भाजपा में शामिल होंगे? इसका अभी तक जवाब नहीं मिल पाया है। हालांकि ये चर्चा चल रही है कि कांग्रेस से नाराज कई नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

एसपी ने कहा समंस वारंट की तामिली अच्छी पुलिसिंग के महत्वपूर्ण संकेतको में से प्रमुख संकेतक है

पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा समंस–वारंट तामिली की समीक्षा बैठक

कोरिया पुलिस समंस वारंट की तमिली का प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

कोरिया। पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री सूरज सिंह परिहार द्वारा दिनांक 06/03/2024 को रक्षित केंद्र के कॉन्फ्रेंस हाल में समंस / वारंट तामिली के संबंध में थानावार समीक्षा बैठक ली गई। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा समंस / वारंट तामीली के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में उनके द्वारा माननीय न्यायालय से प्राप्त समंस वारंट की तामिली शत प्रतिशत कर समयावधि के भीतर पेशी के 02 दिवस पूर्व जमा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कोर्ट मोहर्रिर द्वारा

समंस में कोर्ट साक्षी का पूर्ण नाम, उपनाम, वर्तमान / स्थाई पता, मोबाईल नम्बर लेख करने के बारे में भी निर्देशित किया गया। समंस जारी करते समय तामिली हेतु पर्याप्त समय देना, जमानतीय वारंट में जमानतदार का नाम, पता तथा संपर्क नम्बर स्पष्ट रूप से लेख करना, गिरफ्तारी वारंट शत प्रतिशत तामिल करने का हर संभव प्रयास कर अदम तामिल होने पर स्पष्ट कारण तस्दीकी रिपोर्ट एवं रोजनामचा दर्ज करने के सम्बन्ध में भी निर्देशित किया गया। एसपी द्वारा विशेष अभियान चलाकर स्थायी वारंट का तामिली जिलेवार / राज्यवार सम्मिलित सूची बनाकर तामिल करने, वांरटी /समंसी के फौत होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त कर न्यायालय में जमा करना, फरार वारंटियों को तस्दीक कर वर्तमान पता का जानकारी पडोसी / रिश्तेदार/ मुखबिर से प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करने हेतु कहा गया। एसपी कोरिया ने यह भी कहा कि विवेचको द्वारा अपराध अन्वेषण के दौरान प्रार्थी, गवाहों एवं आरोपी का नाम, उपनाम वर्तमान / स्थाई पता, मोबाईल नम्बर, आधार कार्ड नम्बर स्पष्ट अक्षरी में अंकित कर तथा तत्कालिक फोटोग्राफ चस्पा करे। पुलिस अधिकारी/कर्मचारियो को न्यायालय द्वारा जारी साक्ष्य हेतु समन पर नियत तिथि पर न्यायालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित हो, यदि न्यायालय में ऐसे पुलिसकर्मी अनुपस्थित रहते है तो उन अधिकारियों/कर्मचारियों की वेतन भी रोकने का भी कार्य किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि पुलिस अधिकारी/कर्मचारियो के पेशी में उपस्थित नही होने पर माननीय उच्च न्यायालय छ0ग0 बिलासपुर द्वारा गंभीर चिंता व्यक्त की गई है जो अत्यंत खेद जनक है एवं निर्देश दिया गया कि पुलिस अधिकारी/कर्मचारियो विरुद्ध जारी वारंट की तामीली हेतु थाना /चौकी प्रभारियों को जिम्मेदारी तय करते हुये अधिक से अधिक वारंटियो को तामील कराया जावे। एसपी कोरिया ने अवगत कराया कि अगले माह पुनः इसकी समीक्षा बैठक ली जायेगी एवं इसमें आग्रणी रहने वाले थाना प्रभारी को उचित ईनाम से पुरसस्कृत किया जाये। उक्त बैठक में एसडीओपी बैकुण्ठपुर कविता ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक राजेश साहू, प्रशिक्षु डीएसपी रविकांत सहारे, समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी, समस्त थाना में समंस वारंट तमिली का कार्य कर रहे स्टॉफ एवं कोर्ट मोहर्रिर उपस्थित रहे।

संपादकीय

मूलभूत सिद्धांत की पुष्टि

कोर्ट ने कहा कि कम्युनिस्ट या माओवादी साहित्य लिखना, या इंटरनेट से ऐसी सामग्रियों को डाउनलोड करना अपराध नहीं है। मुकदमा चलाने के लिए ऐसा ठोस सूबत होना अनिवार्य है कि संबंधित व्यक्ति हिंसा या आतंकवाद की गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारतीय संविधान के तहत नागरिकों को मिले अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार की फिर पुष्टि की है। हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने इसी बुनियादी सिद्धांत के आधार पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को यूएपीए के तहत दर्ज मामले से बरी किया है। स्पष्टत: कोर्ट ने किसी नए सिद्धांत की स्थापना नहीं की है। ना ही उसने कानून की कोई नई व्याख्या की है। अतीत में सर्वोच्च न्यायालय दो टूक लहजे में ऐसी व्याख्याएं कर चुका है। लेकिन हाल के वर्षों में देश में जैसा माहौल रहा है, उसके बीच हाई कोर्ट का ताजा निर्णय मील के पत्थर की तरह महसूस होता है। कोर्ट ने कहा कि कम्युनिस्ट या माओवादी साहित्य लिखना, अथवा इंटरनेट पर मौजूद ऐसी सामग्रियों को डाउनलोड करना अपराध नहीं है। ऐसी गतिविधियों के कारण किसी पर अभियोग लगाया जाएगा, तो यह संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन होगा। दो जजों की बेंच ने कहा कि मुकदमा चलाने के लिए इस बात का ठोस सूबत होना अनिवार्य है कि संबंधित व्यक्ति हिंसा या आतंकवाद की गतिविधि में सक्रिय रूप से शामिल हुआ। कोर्ट ने ध्यान दिलाया कि इंटरनेट पर नक्सली या कम्युनिस्ट नजरिए वाली सामग्रियों को ढूंढना एक आम चलन है। लोग चाहें तो ऐसी सामग्रियां स्कैन या डाउनलोड कर सकते हैं। इनमें ऐसे वीडियो भी शामिल हैं, जिन्हें हिंसक प्रकृति का माना जाएगा। चूंकि साईबाबा और पांच अन्य लोगों पर ऐसी ही गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ यूएपीए लगा दिया गया था, इसलिए कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया। इस बीच ये पांचों लोग पांच साल से अधिक समय जेल में गुजार चुके हैं। अब यह जाहिर है कि उन्हें ऐसे आरोप में जेल में रखा गया, तो असल में भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के तहत जुर्म नहीं है। इस रूप में उनके लिए न्याय की प्रक्रिया ही दंड बन गई। दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसा अनगिनत अन्य व्यक्तियों के साथ भी हो रहा है। अगर न्यायपालिका आज भी जमानत को नियम और जेल को अपवाद मानने के सिद्धांत से प्रेरित रहती, तो शायद इस स्थिति से बचा जा सकता था।

भाजपा की पहली सूची का क्या संदेश

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टियों ने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। पहले इक्का दुक्का पार्टियां ऐसा करती थीं लेकिन अब यह परंपरा बन गई है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 30 से ज्यादा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली में अपने कोटे की चार सीटों के साथ साथ हरियाणा और गुजरात की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ 195 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की। एक अनुमान के मुताबिक भाजपा देश की 543 में से साढ़े चार सौ से कुछ ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटें उसकी सहयोगी पार्टियों के खाते में जाएंगी। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भाजपा ने एक झटके में अपनी करीब 40 फीसदी सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा की पहली सूची कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जैसे भाजपा के सूत्रों के हवाले से ही दो महीने से खबर आ रही थी कि पार्टी पहले उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करेगी, जहां वह पिछली बार हारी थी या दो-तीन बार से नहीं जीत रही है या पिछली बार बहुत कम अंतर से जीती थी। इसे मध्य प्रदेश मॉडल कहा गया था। भाजपा ने पिछले साल के अंत में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव में सबसे पहले कमजोर और हारी हुई सीटों पर अपने दिग्गज नेताओं को उम्मीदवार बना कर उतार दिया था। कई केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव लड़े थे। उसी तर्ज पर लोकसभा चुनाव की पहली सूची आने की चर्चा थी। लेकिन सूची आई तो वह इसके बिल्कुल उलट थी। पार्टी ने उन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की, जहां वह पारंपरिक रूप से बहुत मजबूत है और पिछली बार भारी अंतर से जीती थी। कुछ सीटें ऐसी भी हैं, जहां कांटे की टक्कर थी लेकिन ज्यादातर सीटें ऐसी हैं, जिन पर पार्टी आसानी से जीती थी। इस तरह भाजपा ने मुश्किल सीटों पर घोषणा नहीं की। साथ ही जहां अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत फाइनल नहीं हुई है वहां के उम्मीदवारों का ऐलान भी नहीं हुआ और जिन राज्यों या जिन सीटों पर विपक्षी गठबंधन के मजबूती से लड़ने का अनुमान है उन सीटों पर भी घोषणा रोक दी गई। भाजपा की इस बदली हुई रणनीति का मकसद यह दिख रहा है कि वह विपक्षी गठबंधन की पार्टियों में सीट बंटवारा होने और उनके उम्मीदवार आने का इंतजार कर रही है। विपक्षी उम्मीदवारों को देखने के बाद उनके सामाजिक समीकरण और उम्मीदवारों के राजनीतिक कद के हिसाब से भाजपा अपने प्रत्याशी तय करेगी। तभी ऐसा लग रहा है कि नजदीकी मुकाबले की संभावना वाली सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा थोड़े समय और रूकी रह सकती है। इससे यह जाहिर होता है कि चुनाव जितना आसान बताया जा रहा है उतना आसान नहीं है और भाजपा को इसका अंदाजा है। इसलिए वह मुश्किल सीटों पर ज्यादा दिमाग खपा रही है। भाजपा की पहली सूची की एक खास बात यह है कि पार्टी ने दिल्ली और छत्तीसगढ़ में लगभग पूरा ही बदलाव कर दिया। दिल्ली की सात में से पांच सीटों पर भाजपा ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिसमें चार पर नए उम्मीदवार उतारे गए हैं। भाजपा ने नई दिल्ली सीट पर केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी की जगह दिवंगत सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को उम्मीदवार बनाया है। पश्चिमी दिल्ली में दिवंगत साहेब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को, दक्षिण दिल्ली में रमेश विधूड़ी की जगह रामवीर सिंह वधूड़ी को और चांदनी चौक मे डॉक्टर हर्षवर्धन की जगह प्रवीण खंडेलवाल को उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा सांसदों में सिर्फ मनोज तिवारी टिकट पाने में कामयाब हुए हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ में सिर्फ दो लोग- विजय बघेल और संतोष पांडे को रिपीट किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि स्पीकर बनाए गए पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के बेटे अभिषेक सिंह टिकट नहीं हासिल कर सके तो दुर्ग से सांसद रहीं सरोज पांडेय को इस बार कोरबा से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के दिग्गज और आठ बार विधायक रहे ब्रजमोहन अग्रवाल इस बार रायपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे।उधर मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है तो ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना से लड़ेंगे। सबसे दिलचस्प मामला केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का है, जिनको पिछले साल विधानसभा की टिकट मिली थी और वे हार गए थे। लेकिन इस बार फिर उनको लोकसभा की टिकट मिल गई है। ऐसा लग रहा है कि आदिवासी सीटों पर या तो भाजपा के पास नए उम्मीदवार नहीं हैं या वह वह प्रयोग करने से बचना चाह रही है। कुल मिला कर भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची अपने असर वाले राज्यों में पार्टी का आत्मविश्वास दिखाने वाली है। तभी उसने दिल्ली और छत्तीसगढ़ में बड़ा बदलाव कर दिया तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ज्यादातर सांसदों को वापस टिकट दे दिया। उत्तर प्रदेश में घोषित 51 नामों में 47 इस समय सांसद हैं। जिस अंदाज में भाजपा की सूची तैयार हुई है उसे देख कर लग रहा है कि वह हिंदी पट्टी के उत्तरी राज्यों में अपने प्रदर्शन को लेकर बहुत आश्वस्त है। तभी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में उसने एक झटके में ज्यादातर उम्मीदवार घोषित कर दिए। गुजरात के भी ज्यादातर प्रत्याशियों की घोषणा हो गई। लेकिन बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भाजपा सावधानी बरत रही है। यह माना जा रहा है कि असली लड़ाई इन राज्यों में होने वाली है। इन राज्यों में विपक्षी पार्टियों की स्थिति मजबूत है। बिहार और महाराष्ट्र में विपक्ष का गठबंधन भी बहुत मजबूत है। विपक्षी पार्टियों ने इन चार राज्यों के हवाले भाजपा की सीटें कम करने का संकल्प जाहिर किया है। इसलिए भाजपा भी सावधानी बरत रही है। अगर उम्मीदवारों की बात करें तो कुछ बातें बहुत चौंकाने वाली हैं। जैसे भाजपा ने उत्तर प्रदेश की जौनपुर सीट से कृपाशंकर सिंह को उम्मीदवार बनाया, जो पहले कांग्रेस में थे और मुंबई में राजनीति करते थे। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप लगे थे। फिर भी भाजपा ने उनको टिकट दे दी। इसी तरह पश्चिम बंगाल में आसनसोल सीट पर भोजपुरी गायक पवन सिंह को टिकट देने का मामला है।

विचार

गोल्ड क्यों चमक उठा?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक औंस सोने का भाव 2100 डॉलर से ऊपर चला गया है। सोने के भाव में इस बढ़ोतरी के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत ने भी रिकॉर्ड बनाया है। इन दोनों घटनाओं में आपसी रिश्ता है। दुनिया भर में सोने की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है। भारत में प्रति दस ग्राम (24 कैरेट) सोने का भाव 65 हजार रुपये के पार चला गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक औंस सोने का भाव 2100 डॉलर से ऊपर चला गया। सोने के भाव में इस बढ़ोतरी के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत ने भी रिकॉर्ड बनाया है। एक बिटकॉइन की कीमत 69 हजार डॉलर पार कर गई है। इन दोनों घटनाओं में आपसी रिश्ता है। यह इस बात का संकेत हैं कि दुनिया भर में निवेशक अमेरिकी वित्तीय संपत्तियों से पैसा निकाल कर अधिक मुनाफा देने वाली या अधिक भरोसेमंद संपत्तियों में निवेश कर रहे हैं। इसका तात्कालिक कारण यह बताया है कि अमेरिका का फेडरल रिजर्व जल्द ही ब्याज दरों में कटौती करने वाला है, जिससे अमरेरिकी ट्रेजरी बिल, बॉन्ड आदि में निवेश पर मुनाफा घट जाएगा। लेकिन यह सिर्फ फौरी वजह है। जबकि सोने में पैसा लगाना एक दीर्घकालिक रुझान बन चुका है। सोने की सबसे ज्यादा मांग चीन में बढ़ी है, जहां का शेयर बाजार सरकारी नीतियों के कारण अनिश्चय में है। ऐसे में निवेशक सोने का सहारा ले रहे हैं। अमेरिका में बड़ी कंपनियों के शेयरों के भाव फिलहाल रिकॉर्ड बना रहे हैं, लेकिन आशंका यह है कि वहां एक बबूला तैयार हो रहा है, जिसका देर-सबेर फूटना तय है। वैसे भी अमेरिका सरकार पर तेजी से बढ़ते कर्ज कारण पूरी अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में इस समय कयासों का दौर है। एक आकलन के मुताबिक अमेरिका सरकार पर हर 100 दिन पर एक बिलियन डॉलर का कर्ज बढ़ रहा है। जल्द यह स्थिति आने वाली है, जब अमेरिका को हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक रकम सिर्फ ब्याज के रूप में चुकानी होगी। इस पर आम राय है कि यह स्थिति टिकाऊ नहीं है। लेकिन इसका कोई सहज समाधान भी नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में अमेरिकी मुद्रा डॉलर में भरोसा घटना लाजिमी है। खासकर उस समय तो और भी ज्यादा जब ब्रिक्स समूह अंतरराष्ट्रीय कारोबार में इस मुद्रा का विकल्प तैयार करने में गंभीरता से जुटा हुआ है। परिणाम है सोने का और चमक उठना।

ट्रंप को क्या हैली करेगी समर्थन?

जो होना ही था वह हो गया है। जो अपरिहार्य था, उसे निक्की हैली ने मान लिया है। वे राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गई हैं। सुपर ट्यूसडे (अर्थात राष्ट्रपति चुनाव के वर्ष का वह दिन जब सबसे बड़ी संख्या में राज्यों में प्राइमरीज होते हैं) उनके लिए कतई सुपर साबित नहीं हुआ। अब यह तय हो गया कि अमेरिका में पिछले चुनाव में जिन दो बुजुर्गों का मुकाबला हुआ था, वे इस बार भी आमने-सामने होंगे। यह भी तय हो गया है कि रिपब्लिकन मतदाताओं में डोनाल्ड ट्रंप के प्रति जबरदस्त समर्थन है और उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) मार्का समर्थकों का पार्टी में बोलबाला है।ये पूरी तरह उनके साथ हैं और उनकी बचकानी बातों के बावजूद उनके कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव की तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन अब भी कई सवाल हवा में तैर रहे हैं। खासकर डोनाल्ड ट्रंप के बारे में। क्या एमएजीए समर्थकों के अलावा अन्य मतदाताओं में भी उनकी स्वीकार्यता है? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या हैली व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप का समर्थन करेंगीं? क्या इस बात की कोई संभावना है कि कानूनी पचड़ों के चलते ट्रंप व्हाईट हाऊस तक का सफर पूरा न कर पाएं? इनमें से अंतिम संभावना के केवल संभावना ही बने रहने की ज्यादा है क्योंकि अमरीकी न्याय प्रणाली भी भारतीय न्याय प्रणाली की कछुए की गति से काम करती नजर आ रही है। पहले चर्चा निक्की हैली और उनके समर्थकों पर। सुपर टयूजडे को हैली ने वरमाउंट के प्रायमरी में जीत हासिल की।वे इसके पहले वाशिंगटन डीसी में विजयश्री हासिल कर चुकी थीं। मंगलवार को जिन राज्यों में मतदान हुआ उन सभी में उन्हें अपेक्षा से अधिक वोट प्राप्त हुए और ट्रंप और उनके बीच वोटों का अंतर जनमत संग्रहों के अनुमानों से काफी कम रहा। नमूना सर्वेक्षणों के अनुसार 25 से 40 प्रतिशत के बीच रिपब्लिकन मतदाता और कंजरवेटिव इंडिपेंडेंट, ट्रंप के खिलाफ हैं और हैली लगभग इन सभी के वोट हासिल करने में कामयाब रहीं।

दलबदल के लिए दोषी कौन....

अजीत द्विवेदी

राज्यसभा चुनाव में हुई क्रॉस वोटिंग के बाद इस बात पर बहस छिड़ी है कि दलबदल के लिए असली दोषी कौन है? भाजपा के नेता और उनके समर्थक कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राजद आदि पर ही ठीकरा फोड़ रहे हैं और कह रहे हैं कि जो पार्टी अपने विधायकों को नहीं संभाल पाई वह भाजपा से क्या लड़ेगी? हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का मजाक बनाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री रहते उनको पता ही नहीं चला कि उनके विधायक साथ छोड़ कर जा रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा विरोधी पार्टियों के नेता और सोशल मीडिया का उनका इकोसिस्टम भाजपा को दोषी बता रहा है। उनका कहना है कि भाजपा ने अपनी ताकत का इस्तेमाल करके 'डाका डाला' है तो इसमें कांग्रेस या सुक्खू या अखिलेश यादव की क्या गलती है? इस बहस में एक दिलचस्प बात यह है कि जो लोग दलबदल के लिए भाजपा की खूब आलोचना कर रहे हैं वे ही लोग कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तारीफ कर रहे हैं कि उन्होंने अपने विधायकों को एकजुट रखा और भाजपा के एक विधायक से क्रॉस वोटिंग करा दी साथ ही एक दूसरे विधायक को गैरहाजिर करा दिया। बहरहाल, दोनों तरफ से दिए जा रहे तर्कों में मेरिट है और इसलिए बहस चल रही है। वैसे भी देश की राजनीति और साथ साथ समाज जिस तरह से वैचारिक आधार पर विभाजित हुआ है उसमें यह हैरानी वाली बात नहीं है। विभाजन ऐसा हो गया है कि एक पक्ष केंद्र सरकार और भाजपा की हर बात और हर कदम को सही ठहराता है तो दूसरा पक्ष विपक्ष की हर बात का समर्थन करता है। इसके बीच में या आसपास देखने की जरुरत ही नहीं समझी जाती है। हकीकत यह है कि इन दोनों तर्कों के बीच एक बड़ा क्षेत्र ऐसा है, जिसे समझने की जरुरत है। एक पक्ष यह मानता है कि 'मोहब्बत और जंग में सब जायज है' की तर्ज पर भाजपा ने ताकत का इस्तेमाल करके दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ लिया तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है तो दूसरा पक्ष यह है कि भाजपा ने डाका डाला और लोकतंत्र की हत्या की है। लेकिन इन दोनों के बीच वे लोग भी तो हैं, जो पाला बदलते हैं। उनके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है। वो कैसे लोग हैं, जिन्होंने किसी लालच में या दबाव में पाला बदला? यह सवाल तो उठता ही है कि अगर भाजपा किसी को अपनी ओर मिलाना चाहती है तो क्या वह जबरदस्ती कर रही है या मिलने वाले की भी मर्जी हो रही है? यह भी सवाल है कि अगर कोई विधायक या सांसद किसी पार्टी को छोड़ कर जाने का मन बना ले और पार्टी के नेता या मुख्यमंत्री को इसकी जानकारी भी हो जाए तो वह किस तरह से उसे रोक सकता है? जाने वाले को कौन रोक सकता है! असल में राजनीति के व्यक्ति केंद्रित होते जाने और सत्ता को अंतिम लक्ष्य या साध्य मानने की सोच ने भारतीय राजनीति को बहुत ज्यादा दूषित कर दिया है। हां, यह जरूर कह सकते हैं कि इसका प्रदूषण बढ़ाने में या इसे मौजूदा शक्ल देने में भाजपा ने बड़ी भूमिका निभाई है। उसने लालच के साथ साथ भय का एक भी तत्व इसमें जोड़ दिया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि पहले दलबदल नहीं होते थे या पहले राज्यसभा के चुनावों में विधायक क्रॉस वोटिंग नहीं करते थे। आजादी के बाद हर समय ऐसा होता रहा है। लेकिन लंबे समय तक दलबदल वैचारिक आधार पर होता था। दलगत आधार पर भी दलबदल हुए लेकिन उसमें भी कहीं न कहीं विचारधारा का हाथ रहा। एक ही विचारधारा की कई पार्टियां थीं, जिसके नेता इधर से उधर आते जाते थे। लेकिन अब दलबदल विशुद्ध रूप से निजी स्वार्थ से संचालित हो रहा है। अब विचारधारा का कोई मतलब नहीं है। कह सकते हैं कि पहले विचारधारा की गोंद नेताओं को बांधे रहती थी, लेकिन अब सत्ता एकमात्र गोंद है, जिससे नेता बंधे हुए हैं। इसलिए सिर्फ भाजपा को दोष देने से काम नहीं चलेगा। भाजपा खरीदार की तरह मंडी में बैठी है और नेता बिकने के लिए आ रहे हैं। सोचें, देश में पशुओं का मेला लगता है, जिसमें पशुओं के मालिक उन्हें बेचने के लिए ले जाते हैं लेकिन इंसान तो खुद ही जा रहे हैं बिकने के लिए! गुजरात में नाराण भाई राठवा अपने बेटे संग्राम राठवा के साथ कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए। सोचें, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब उनको रेल मंत्री बनाया गया था। बाद में कांग्रेस ने उनको राज्यसभा में भेजा। उनका राज्यसभा का कार्यकाल तीन अप्रैल 2024 को समाप्त हो रहा है। उससे एक महीना तीन दिन पहले उनको लगा कि अब कांग्रेस राज्यसभा या कुछ और पद देने की स्थिति में नहीं है तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में चले गए। इसका कांग्रेस नेतृत्व की कमजोरी से कोई लेना-देना नहीं है और न इसके लिए भाजपा की आलोचना करने की जरुरत है। यह विशुद्ध रूप से उस व्यक्ति के निजी स्वार्थ का मामला है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने वीरभद्र सिंह को छह बार मुख्यमंत्री बनाया। जब राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं होती थी तो उनको केंद्र में मंत्री बनाया जाता था। अब भी उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं और बेटे विक्रमादित्य सिंह राज्य सरकार में मंत्री हैं। लेकिन वे आज अगर कांग्रेस को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उसमें कांग्रेस या सुखविंदर सिंह सुक्खू की कमी नहीं है। जब नेता अपना दीन ईमान छोड़ दे और सत्ता या धन के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाए। तो फिर उसमें कोई भी पार्टी क्या कर सकती है? राजनीति में नैतिक मूल्यों के निरंतर ह्रास को समझने की जरुरत है। यह भी समझने की जरुरत है कि अगर राजनीति समाज का आईना है तो समाज की क्या स्थिति हो गई है? इसको ठीक किए बगैर यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि राजनीति स्वच्छ हो जाएगी। इसमें एक पहलू दलबदल कानून और उसके अमल का भी है। जिस तरह से कानूनी मामलों में कहा जाता है कि न्याय प्रक्रिया ऐसी है कि अपराधियों को सजा नहीं होती है और उनका हौसला बढ़ जाता है। उसी तरह दलबदल के मामले में भी है। दलबदल करने वाले विधायकों या सांसदों पर महीनों, बरसों तक कोई कार्रवाई नहीं होती है। स्पीकर मामले को लटका कर रखते हैं और सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो जाता है। झारखंड में बाबूलाल मरांडी, प्रदीप यादव और बंधु तिर्की का मामला चार साल से लंबित है। बंधु तिर्की काफी पहले विधायक से हट भी गए और उनकी जगह उनकी बेटी विधायक बन गई।

भव्य 'रामराज्य' में भव्य अंबानी शादी!

श्रुति व्यास

पिछले हफ्ते भारत का मीडिया जामनगर में था। वहां से सभी को एक भव्य और राजसी लेकिन निहायत देसी 'प्री-वेडिंग' समारोह दिखलाई दिए। यह समारोह शानदार था तो आंखों को हैरान करने वाला भी।इसलिए क्योंकि भारत बनते इंडिया की भारतीयता की नई झलक दिखी। सोशल मीडिया पर हालिया दौर के इस सबसे बड़े प्री-वेडिंग समारोह के फोटो और वीडियो का सैलाब है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की होने वाली शादी के इस जश्न में सार्वजनिक रूप से क्या हो रहा है, वह तो दिलचस्पी का विषय था ही, अन्दर की खबरें भी ख़ासा आकर्षक थीं। सब इसमें डूबे रहे। और यदि सोशल मीडिया के आधार पर देश के मूड का अंदाजा लगाया जाए तो जनता को इसके बारे में छोटी से छोटी बात जानने में भी मजा आया। और ऐसा क्यों न हो? राधिका मर्चेंट के रूप में देश को एक नई स्टायिलिश, आकर्षक और साथ में संस्कारी बहू मिल गई है। वहीं अनंत जमीन से जुड़ा हुआ आदर्श बेटा है। जिंदगी के सिर्फ फूलों की सेज न होने बल्कि कांटों भरी (उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण) बताने वाला उनका वीडियो, माता-पिता के प्रति स्नेह का उनका इज़हार एवं उनका शुक्रगुजार होने वाली बातों ने लोगों के दिलों को छूआ।कह सकते है यह आधुनिकता और परंपराओं का बेहतरीन मिक्स था। इससे बेहतर कुछ हो सकता है क्या? यदि हम अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के कवरेज की बात करें तो मुझे अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बटोरने वाला जो पिछला विवाह याद आता है वह 2004 में हुआ था।वह विवाह था उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की बेटी वनीशा मित्तल का। इसे तब तक की सबसे खर्चीली शादी बताया गया था जिसमें 240 करोड़ रूपये खर्च हुए थे। शादी पेरिस के वर्साय में 17वीं शताब्दी में निर्मित एक ऐतिहासिक महल में हुई थी जिसे लुई 14वें के वित्तमंत्री के लिए बनवाया गया था।उस शादी के हर कार्यक्रम में चप्पे-चप्पे पर राजसी ठाठ नजर आता था। काइली मिनोग का म्यूजिक शो हुआ और बालीवुड तथा कारोबार की दुनिया की सभी बड़ी हस्तियां शादी में शामिल हुईं। लेकिन अंबानी के छोटे बेटे की प्री-वेडिंग इससे बढ़-चढ़कर थी। निश्चित ही इसमें वनीशा की शादी में खर्च हुए 240 करोड़ रूपये से बहुत अधिक रकम खर्च हुई होगी। यह उस शादी की तुलना में बहुत बड़ी इसलिए थी क्योंकि यह सिर्फ एक उत्सव नहीं थी बल्कि यह एक मेला था। और जो बात इसे अलग बनाती है वह है इसका माहौल जो हमें एक नए दौर के आने का संदेश देता है। सारी तड़क-भड़क और शान-शौकत के बीच सारे कार्यक्रम संस्कृति और संस्कार में रचे-बसे थे, धर्म और सभ्यता दर्शा रहे थे। यह भारतीयता के ठप्पे वाली धूमधाम और तमाशा था और 2024 के भारत की भारतीयता से सारी दुनिया को परिचित कराने वाला आयोजन था। इसकी शुरूआत 2022 में हुई जब अनंत और राधिका की सगाई राजस्थान के नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में हुई। सगाई के पहले अंबानी परिवार ने राधिका की अरंगेत्रम रस्म के कार्यक्रम की मेजबानी की। एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना बतौर यह राधिका की नृत्य की शिक्षा पूर्ण होने का कार्यक्रम था। इस मौके पर कलाकार पहली बार मंच पर प्रस्तुति देता है। इसके बाद जामनगर में प्री-वेडिंग से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। जामनगर के बारे में बहुत लोग नहीं जानते थे। लेकिन आज यह शहर अंबानी की वजह से दुनिया के नक्शे पर आ चुका है। ये सारी छोटी-छोटी बातें मिलकर एक बड़ी तस्वीर बनाती हैं। जामनगर, एक तरह से अयोध्या की सीरीज का आयोजन था। वस्तुत: जामनगर पर अंबानी परिवार का लगभग कब्ज़ा है। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज यहां दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक चलाती है। और वह शहर के बाहरी इलाके में दुनिया का सबसे बड़ा चिड़ियाघर बना रही है। इस परियोजना का नेतृत्व अनंत अंबानी कर रहे हैं। इसे 'वनतारा' नाम दिया गया है। और यह जामनगर रिफाइनरी काम्पलेक्स में 3,000 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें हाथियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और शेर, चीता, तेंदुआ और मगरमच्छ सहित विभिन्न पशुओं के लिए अति आधुनिक ठिकाने होंगे। वनतारा का उद्घाटन 26 फरवरी को हुआ और इसी दिन अनंत अंबानी को जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। इंडिया टुडे के एंकर को दिए गए एक साक्षात्कार के माध्यम से दुनिया को अनंत अंबानी और उनके 'वनतारा' को दिखाया गया। इस कार्यक्रम द्वारा उनकी महत्वाकांक्षाओं, उनके अरमानों और इस परियोजना के प्रति उनके लगाव और लड़कपन से दूर उनके शांत स्वभाव और विनम्रता से दुनिया को परिचित कराया गया। अंबानी परिवार के संरक्षण में जामनगर में निश्चित ही जबरदस्त बदलाव है। इस कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी-बड़ी हस्तियों को जमा कर उन्हें यह संदेश दिया गया है कि अंबानी परिवार और भारत अब कितने शक्तिशाली और समृद्ध हो गए हैं। चकाचौंध वाले जश्न भरे तीन दिनों के आयोजन में बहुत से अनुष्ठान और रस्में पूरी की गईं, नाच-गाने और खाने-पीने के पहले पूजा और आरती, तथा देवताओं के स्तुतिगान हुए। नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) द्वारा इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसका शीर्षक था ''परंपराओं को निभाते हुए और देवी मां का आव्हान करते हुए श्रीमती नीता अंबानी द्वारा विश्वंभरी स्तुति की प्रस्तुति दी गई।

जो शक्ति और बल की जीवंत प्रतीक मां अंबा को समर्पित एक प्रार्थना है। वे बचपन से ही नवरात्रि के दौरान इस प्रार्थना को सुनती आ रही हैं卐। विशाल मंदिरों की कई तस्वीरें दिखाई गईं और मंत्र और भजन सुनाए गए।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, सोमवार 11 मार्च 2024

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़िया सेवक सभा महिला विंग के द्वारा 9.3.2024 शनिवार को दोपहर 4 बजे, टाटीबंध स्थित रामगढ़िया हॉल में वूमेंस डे मनाया गया

इस समारोह में डॉ चंचलदीप कौर(प्रिंसिपल रूंगटा इंटरनेशनल कॉलेज), डॉ ईशप्रीत कौर कुकरेजा (gynecologist) और श्रीमति प्रिया बाबरा (financial advisor)को मुख्य अथिति के रूप में आमन्त्रित किया गया। जिन्होंने अपने विषयों पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी। WomenÓs wing ·¤è BODs हरचरण राणा , बलविंदर कौर कुलदीप वर्दी , तजिंदर कौर और संजीत कौर उपस्थित थीं। स्टेज की भूमिका पर प्रीति मुदड़, अंशु राणा और कवलजीत कौर ने भूमिका निभाई। कार्यक्रम का लक्ष्य ट्ठ'हमारा उद्देश्य आप की पहचान आप का सम्मान 'ट्ठ के तहत teachers, engineers, financial advisors, dietician ¥õÚU makeup artists को सर्टिफ्किेट देकर सम्मानित किया गया। गीत , डांस, कविता और एक्ट मंच पर प्रस्तुत किया गया। साथ ही tarot card reader तेजिंदर कौर ने भी अपनी सेवाएं दी।आनंद मेले का आयोजन भी किया गया, स्वादिष्ट व्यंजन (home made)और शॉपिंग स्टॉल भी लगाएं गए जिसका सभी ने बहुत आनंद उठाया। रामगढ़िया सेवक सभा के अध्यक्ष जसविंदर सिंह राणा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई।बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं शामिल हुई। इस महिला विंग की अध्यक्ष प्रीति मुदड़ उनकी टीम से अंशु राणा , कवलजीत कौर(सोनू), नीतू भुई, जसविंदर कौर, सिमरन कौर, जीत कौर, मंजू भामरा, स्वीटी सग्गू और मोना वर्दी के द्वारा कार्यक्रम को सफ्लता पूर्वक संपन्न किया।

महावीर जयंती समारोह में सानिध्य के लिए आचार्य चैत्य सागर महाराज को किया श्रीफल भेट

जयपुर - राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सकल जैन समाज की ओर से आगामी 21 अप्रैल को महावीर जयंती समारोह बडी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले जैन समाज के इस विशाल आयोजन के लिए सानिध्य प्रदान करने हेतु आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ को सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद के नेतृत्व में श्रीफ्ल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक इस मौके पर अशोक जैन नेता, सुभाष बज, अनिल छाबडा, जगदीश जैन सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए । आचार्य श्री ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि भगवान महावीर के 2623 जन्म कल्याणक महोत्सव को बडी धूमधाम से मनाया जाना चाहिए।

वर्ष 2024 के प्रथम नेशनल लोक अदालत में कुल 1,13,542 मामले निराकृत तथा अवार्ड राशि 54,25,45,131 रूपए रही

दुर्ग (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं छ0ग0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में तथा श्रीमती नीता यादव, जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के निर्देशन में जिला न्यायालय एवं तहसील व्यवहार न्यायालय में 09 मार्च 2024 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसके तहत जिला न्यायालय दुर्ग, कुटुम्ब न्यायालय, दुर्ग, व्यवहार न्यायालय भिलाई-3. व्यवहार न्यायालय पाटन एवं व्यवहार न्यायालय धमधा, तथा किशोर न्याय बोर्ड, श्रम न्यायालय, स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) राजस्व न्यायालय एवं उपभोक्ता फोरम दुर्ग में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ माँ सरस्वती के तैलचित्र पर श्रीमती नीता यादव जिला न्यायाधीश दुर्ग द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल कर प्रात: 10:30 बजे किया गया । शुभारंभ कार्यक्रम में श्री सिराजुद्दीन कुरैशी प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय दुर्ग, श्री संजीव कुमार टॉमक, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग श्री राकेश कुमार वर्मा, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के अलावा जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग की अध्यक्ष सुश्री नीता जैन एवं अन्य पदाधिकारीगण, न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न बैंक के प्रबंधक नेशनल लोक अदालत में कुल 29 खण्डपीठ का गठन किया गया। परिवार न्यायालय उपस्थित रहे। दुर्ग हेतु 03 खण्डपीठ, जिला न्यायालय दुर्ग हेतु 19, तहसील न्यायालय भिलाई-3 में 02 खण्डपीठ, तहसील पाटन हेतु 01 खण्डपीठ, तहसील न्यायालय धमधा में 01 खण्डपीठ, किशोर न्याय बोर्ड हेतु 01 श्रम न्यायालय हेतु 01 तथा स्थायी लोक अदालत (जनोपयोगी सेवाएँ) दुर्ग के लिए 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व न्यायालय में भी प्रकरण का निराकरण हेतु खण्डपीठ का गठन किया गया था। उक्त नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक सिविल परिवार, मोटर दुर्घटना दावा, से संबंधित प्रकरण रखे गये तथा उनका निराकरण आपसी सुलह, समझौते के आधार पर किया गया। इसके अलावा बैंकिंग/ वित्तीय संस्था, विद्युत एवं दूरसंचार से संबंधित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों (विवाद पूर्व प्रकरण) का निराकरण भी किया गया। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों के आपसी राजीनामा से प्रकरण का शीघ्र निराकरण होता है, इसमें न तो किसी की हार होती है न ही किसी की जीत होती है।

केंद्रीय जेल में विनयांजलि सभा : गुरुदेव ने जैन समाज को दान देने की परंपरा सिखलाई-जैन

सागर (विश्व परिवार)। केंद्रीय जिला जेल सागर में से सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन के अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की समाधि पर विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश छतरपुर अरविंद जैन थे।

श्री जैन ने कहा कि आचार्य श्री के ऊपर कितना भी बोलते जाएं लेकिन शब्द कम हो जाएंगे उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर 57 छात्र-छात्राओं ने पीएचडी कंप्लीट की है और कुछ अभी कर रहे हैं एकमात्र ऐसे संत थे जिन पर शोध हो रहा है गुरुदेव की जय जयकार करने के साथ-साथ उनके आदर्शों पर चलना सही विनयांजलि होगी। उन्हें संत शिरोमणि ऐसे ही नहीं कहा जाता था उनके लिए यह उपाधि सर्वमान्य समाजों के द्वारा दी गई थी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक शब्द बुलवाना भी आसान नहीं है विपक्ष भी हैरान रहता है कि वे उनके प्रश्नों का जवाब नहीं देते हैं मोदी जी जो कुछ बोलते हैं सोच विचार कर मन से बोलते हैं लेकिन आचार्य श्री की समाधि के बाद मोदी जी ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में लगभग 10 मिनट का समय आचार्य श्री के जीवन कृतित्व और व्यक्तित्व पर बोला। श्री जैन ने कहा कि जैन समाज घरों में बैठकर भी आचार्य श्री के प्रकल्पों में दान देना जानती है गुरुदेव ने जैन समाज को दान देने की परंपरा सिखलाई, इसलिए आज समाज समृद्ध है और दान देने वाली समाज के रूप में अग्रणी है मंदिर में चढ़ाई हुई द्रव्य को भी समाज के लोग निर्माल्य मानते हैं उसका कहीं अपने घरों में उपयोग नहीं करते हैं।

जिला न्यायाधीश मनीष भट्ट ने कहा कि आचार्य श्री महान विभूति थे वे साक्षात धर्म थे दुनिया में 300 धर्म है लेकिन जिनके 10 लक्षण अपने अंदर समाहित हो ऐसे आचार्य श्री विद्यासागर थे उनके एक-एक शब्द में से धर्म झरता था उनका पूरा जीवन सत्यवान रहा कभी क्रोध नहीं किया और उनके दर्शन मात्र से लाखों करोड़ों लोगों को पुण्य मिला है और जिन्होंने उनके दर्शन किए हैं उनका तो कल्याण ही हो गया है।

कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा की बंदियों को मुख्य धारा में आने का अवसर मिला है कभी गलती जानबूझकर नहीं होती लेकिन हो जाती हैं। संत किसी समाज से नहीं होते हैं और संत समाज के नहीं मानवता के होते हैं प्रकृति को बचाने और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए समाज को सरकार का साथ देना चाहिए। आचार्य श्री के दर्शन करने का तीन-चार बार अवसर प्राप्त हुआ है और भी हमेशा उन पलों को स्मरण करते रहते हैं।

डॉ जी एस चौबे ने कहा की वे चलते फ्रिते तीर्थ थे उन्होंने हमेशा मानवता कल्याण के लिए ही कार्य किया है उनका रोम रोम धर्म था जैन समाज को उन्होंने शिखर पर पहुंचा दिया।

ब्रह्मचारी संजीव भैया ने कहा कुछ व्यक्तित्व जन्म से महान होते हैं कुछ को महानता थोपी जाती है लेकिन आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने महानता अर्जित की है उन्होंने राष्ट्र के लिए, धर्म के लिए, समाज के लिए कार्य किए हैं देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री उनके पास आकर कुछ सीख कर ही जाते थे आचार्य श्री ने हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा था भारत का कोई भी व्यक्ति भूख नहीं सोए, हमें अपनी राष्ट्रभाषा का ख्याल रखना है, हिंदी में सभी कार्य हो, भारत का नाम इंडिया नहीं भारत हो और उसे आम प्रचलन में बोला जाए और गुरुदेव ने हथकरघा, गौशाला, शील की रक्षा के लिए प्रतिभाशाली जैसे संस्कारित स्कूलों पर चर्चा की तो मोदी जी ने बाहर आकर कहा कि मैं सोचता था आचार्य श्री गिरनार जी तीर्थ क्षेत्र पर या अन्य कोई चर्चा करेंगे लेकिन गुरुदेव की सोच बहुत अलग थी अहिंसा का उद्घोष भारत की पुण्य भूमि पर वह जगह जगह कर गए हैं वे स्वर्ग में देव बनकर बैठे हैं और भी अपने अवध ज्ञान से सबको देख रहे हैं

ब्रह्मचारी धीरज भैया ने कहा कि आचार्य श्री कि विचार शैली बहुत अद्भुत थी वे सभी के दिलों में विराजमान है और उनके विचार हमेशा इस संसार में जीवंत रहेंगे एक बार गुरुदेव से पूछा पानी की कमी क्यों हो रही है तो गुरुदेव ने कहा इस संसार में मानी प्राणी का पानी पानी नहीं हो रहा है इस कारण पानी और जीवन स्तर नीचे की ओर जा रहा है आचार्य श्री ने चारों प्रकार के दान को का महत्व पूरी समाज को सिखलाया है। सभा को जेलर एम एल पटेल, मुकेश जैन ढाना, डॉ मनीष जैन, डॉ जेके जैन, ब्रा रौनक भैया, महेश बिलहरा, पूर्व विधायक सुनील जैन, सुरेंद्र जैन, रश्मि रितु, राजेश सिंघई, सीए प्रियेश जैन, डॉ राजेश जैन आदि ने भी संबोधित किया मंगलाचरण सविता रानू जैन ने किया कार्यक्रम का संचालन ब्रा डॉ रेखा दीदी ने किया इस अवसर पर जेल के बंदी दानिश खान, रूप सिंह, अजय, यशवंत, विजय आदि ने भी अपनी बातें रखी कार्यक्रम में अरविंद जैन, डॉ नीलम जैन, पीसी नायक, प्रदीप रांधेलिया, संतोष बिलहरा, संजय जैन ठेकेदार, अजय जैन पारस, तरुण जैन आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में पूरी हो रही है मोदी की गारंटी : राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को खाते में भेजी महतारी वंदन योजना की राशि, महिलाओं में खुशी का माहौल

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज महतारी वन्दन योजना के अंतर्गत जिले के सभी महिलाओं के खाते में एक हजार की राशि अंतरित की। कटघोरा ब्लॉक के ग्राम बुंदेली में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़कर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस योजना से लाभान्वित सभी हितग्राहियों को बधाई दी और कहा कि उनका यह सौभाग्य है कि आज छत्तीसगढ़ के लगभग 70 लाख महिलाओं को 655 करोड़ 57 लाख रुपये महतारी वन्दन योजना के रूप में देने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि आज हर महतारी के खाते में राशि अंतरित की गई है। जब घर परिवार में माताएं,बहने सशक्त होती है तो पूरा परिवार सशक्त होता है। उन्होंने पीएम आवास, उज्ज्वला योजना, जनधन खाते,मुद्रा लोन,स्व सहायता समूह की महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के साथ आधुनिक कृषि के लिए ड्रोन संचालन में महिलाओं को जोड़ने का ज़िक्र करते हुए कहा कि देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से लगातार सशक्त बनाया जा रहा है। परिवार की खुशहाली के लिए स्वास्थ्य योजनाएं और 5 लाख तक का उपचार की सुविधा दी गई है। शौचालय बनवाकर महिलाओं को सम्मान से जीवन जीने की दिशा में कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी है कि जो कहा गया है उसे पूरा अवश्य किया जाएगा। पीएम श्री मोदी ने मुफ्त टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं को राशि देने, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को उपचार की सुविधाएं देने की बात कहते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही 18 लाख पीएम आवास, 31 सौ रुपए में धान की खरीदी, दो वर्ष का बकाया बोनस राशि का वितरण किया गया। जल्द ही कृषक उन्नति योजना से किसानों को अंतर राशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की बात कही। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी संबोधित किया और महिलाओं को योजना का लाभ मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। कटघोरा के बुंदेली में कार्यक्रम को सम्बोधित करती हुई राज्य सभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने कहा कि मोदी की गारंटी मतलब पूरा होने की गारंटी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महतारी वन्दन योजना के रूप में जो वादा किया गया था वह आज पूरा हो रहा है। महिलाओं को हर माह एक हजार और साल में 12 हजार रुपए उनके खाते में मिलेंगे। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की बात कहते हैं, वे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक रुप से उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में काम करते हैं। यह छत्तीसगढ़वासियों के सौभाग्य है कि यहाँ महिलाएं सुरक्षित हैं और महतारी वंदन योजना से उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत होने का अवसर मिल रहा है।

बस्तर से भी उठी बाल विवाह रोकने आवाज

बस्तर के युवा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का कर रहे प्रचार

रायपुर (विश्व परिवार)। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में बस्तर के सुदूर अंचल के युवा भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए योगदान देने में कदम बढ़ा रहे हैं। आज राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरुआत की।

बस्तर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र में बाल विवाह को रोकने के लिए काम कर रहे युवा भी हस्ताक्षर पोस्टर के साथ मौजूद रहे। बस्तर के युवाओं की इस टीम मंख बकावंड की अनिता नेताम व प्रमिला बघेल, नकटीसेमड़ा की ज्योति सोम, बड़ेदेवरा से मीनकुंवर कश्यप, लामकेर के अजय मौर्य व मंधोता के चंद्रकुमार नाग शामिल रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर छत्तीसगढ़ में बाल विवाह रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों और जागरूकता अभियान के संदर्भ में जानकारी दी।

इन युवाओं ने बताया कि बीते तीन साल से इन युवाओं की टीम बस्तर क्षेत्र में अनेक सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रही है। वहीं बस्तर में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी काम किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के माध्यम से बाल विवाह के 87 फीसदी तक मामले रोकने में सफ्लता मिली है। वहीं विष्णु देव सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व जागरूकता अभियान के जरिए जल्द ही सौ फीसदी सफ्लता की उम्मीद है।

राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम 11 मार्च को राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में होगा आयोजित

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री पंचायती राज मंत्रालय श्री कपिल मोरेश्वर पाटील राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में होंगे शामिल

राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में शामिल होने वाले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सुझाव हेतु रखा जाएगा सुझाव पेटी : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी के अंतर्गत राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रो के विकास में अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की अवधारणा के अंतर्गत सत्ता की सबसे मूल इकाई पंचायत राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक सुझाव और सहयोग प्राप्त करने के आकांक्षा के साथ इस महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज राज्य स्तरीय महापंचायत के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय महापंचायत का आयोजन दोपहर 12 बजे से साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर में किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम के सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य, ग्राम पंचायतों के सरपंच, उप सरपंच इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय राज्य मंत्री पंचायती राज मंत्रालय श्री कपिल मोरेश्वर पाटील एवं अतिविशिष्ट अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा होंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, सांसद श्री सुनील सोनी, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, श्री अनुज शर्मा, श्री पुरन्दर मिश्रा, श्री इन्द्र कुमार साहू, श्री मोतीलाल साहू और श्री गुरू खुशवंत साहेब, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में शामिल होने वाले निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के सुझाव हेतु सुझाव पेटी रखा जाएगा, जिसमें वे अपने सुझाव दे सकते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि सरकार गठन के तुरंत बाद पहली केबिनेट बैठक में 18 लाख ग्रामीण परिवारों को पक्के आवास दिये जाने का निर्णय लिया गया। योजना अंतर्गत कुल 65,615 आवास पूर्ण किये गये हैं एवं 457.00 करोड़ रूपये की राशि जारी की गयी है। निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण किये जाने के लिये में कुल राशि रूपये 711.05 करोड़ शासन द्वारा जारी किया गया है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान अंतर्गत 26,357 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह परिवारों का पंजीयन, 15,154 परिवारों को स्वीकृति एवं 13,254 परिवारों को राशि रूपये 55.41 करोड़ जारी किया गया है। शासन द्वारा पीएम जनमन में 81.73 करोड़ रूपए की राशि उपलब्ध करायी गयी हैं।

पीएम जनमन के तहत 467 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटों को जोड़ने हेतु भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप वर्ष 2023-24 में राशि 847.00 करोड़ लागत की 1180 किमी. लंबाई की 333 सड़कों, की स्वीकृति प्रदान की गयी, इन सड़कों से 366 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटें लाभान्वित होगी। शेष 82 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटों के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 256 सड़कें घोर नक्सली क्षेत्र में आने के कारण 4-5 वर्षों से अपूर्ण थी, इन अपूर्ण सड़कों को पूर्ण करने कार्य-योजना तैयार की गयी। जिनमें वर्तमान में पुलिस प्रशासन के सहयोग से 23 सड़कों में निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 1419 किमी लंबाई की 346 सड़कों हेतु राशि 349 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है।

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
दैनिक
विश्व परिवार
बस्तर संभाग
रायपुर सोमवार 11 मार्च 2024

3 लाख 30 हजार से अधिक महिलाओं के खाते में पहली किश्त के रूप में 33 करोड़ से अधिक राशि का होगा अंतरण

आज महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन जिला मुख्यालय व ब्लॉक मुख्यालय में

बलौदाबाजार। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 10 मार्च को प्रदेश की राजधानी रायपुर के साथ सभी जिला मुख्यालय,ब्लॉक मुख्यालय, नगरीय निकाय क्षेत्रों में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य मुख्यालय, जिला मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय एवं नगरीय निकायों में आयोजित कार्यक्रमों से सीधे वर्चुअल जुड़कर लोगों को संबोधित करेंगे और हितग्राहियों से बात करेंगे। इस अवसर पर महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख से अधिक महिलाओं के साथ साथ बलौदाबाजार भाटापारा जिले के 3 लाख 30 हजार से अधिक महिलाओं के खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से पहली किश्त का अंतरण किया जाएगा। इसके तहत लगभग 33 करोड़ 10 लाख रूपये का अंतरण किया जाएगा। इससे प्रत्येक माह महिलाओं के खाते में एक हजार रूपये आएंगे। कलेक्टर के एल चौहान ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी जाटवर ने बताया की स्थानीय नगर भवन में दोपहर 2 बजे जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा शामिल होंगे। वही सभी ब्लाक मुख्यालय में भी कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमें भाटापारा में मंडी परिसर भाटापारा,कसडोल में नगर भवन कसडोल, सिमगा में सामुदायिक भवन सिमगा, पलारी मीटिंग हॉल जनपद पंचायत पलारी में कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना अंतर्गत जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में कुल 3 लाख 31 हजार 1236 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमे से पर्यवेक्षक द्वारा 3 लाख 30 हजार 901 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। रायपुर में मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री साय छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त करने के अभियान का शुभारंभ भी करेंगे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में 01 मार्च 2024 से नवीन महतारी वंदन योजना लागू की गई है। योजना के तहत 21 वर्ष से अधिक आयु की पात्र विवाहित महिलाओं को एक-एक हजार रूपए की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस प्रकार महिलाओं को 12 हजार रूपए वार्षिक प्राप्त होगा। योजना के तहत 10 मार्च को पहली बार सहायता राशि दी जाएगी। इससे प्रदेश में लगभग 70 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित होंगी। महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है। सम्मेलन में विभागीय गतिविधियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगी। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त करने का संकल्प भी लिया जाएगा।

न्यायालय में नेशनल लोक अदालत के जरिए न्याय सुलभ करवाने का हुआ आयोजन

कोण्डागांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा आम जनता को शीघ्र एवं सस्ता न्याय सुलभ करवाने तथा लंबित विवादों को आपसी समझौते के द्वारा सुलझाने के उद्देश्य से व्यवहार न्यायालय केशकाल में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन हुआ। इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह के समक्ष बैंक सम्बंधित 70 प्रकरण आए, जिसमें 5 प्रकरणों का निराकरण हुआ। चेक बाउंस 7 प्रकरण आये जिसमें 2 प्रकरणो का निराकरण हुआ। आपराधिक 20 प्रकरण आये जिसमें 5 प्रकरणों का निराकरण हुआ। समरी 4 प्रकरण आये थे और चारों प्रकरण का निराकरण हुआ। कुल 16 प्रकरणों का तत्काल निराकरण हुआ और शेष मामलों के लिए मजिस्ट्रेट अंजली सिंह के द्वारा अगली तारीख दी गई है। उल्लेखनीय हैं कि, आम जनता को सहज एवं सुगम न्याय दिलवाने के उद्देश्य से 9 मार्च को समूचे प्रदेश के न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया था।

इसी क्रम में केशकाल के व्यवहार न्यायालय में भी लोक अदालत का आयोजन हुआ। जिसमें लंबित प्रकरणों का निराकरण एक ही दिन मे किया गया है।

बलात्कार के केस में फंसा देने का भय दिखाकर पैसा वसुलने वाले गिरोह को कोंडागांव पुलिस ने पकड़ा

कोण्डागांव। जिला कोंडागांव में पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक डी आर पोर्ते के मार्गदर्शन में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी निमितेश सिंह के नेतृत्व में कोंडागाव पुलिस ने एक राय होकर योजना तैयार कर षडयंत्र कर बलात्कार केश में फंसा देने का भय दिखाकर उदापन कर पैसा लेने वाले 5 आरोपियो को गिरफ्तार किया गया।

नंद किशोर पाण्डे निवासी गिरोला, नवीन पाण्डे निवासी गिरोला, हेमचंद पाण्डे निवासी गिरोला, सावित्री मरकाम निवासी चिलपुटी, संतोष शार्दुल निवासी बांसकोट, योगेश चकधारी निवासी बांसकोट के साथ एक राय होकर योजना तैयार, किये जिसमें सावित्री मरकाम द्वारा मोटर सायकल चालको से लिपट लेती थी, उसके बाद योजना अनुसार जडीपारा गिरोला कच्ची रास्ता के पास लाती थी जहाँ पूर्व से उसके साथी उसका इंतजार करते बैठे रहते थे जिनके द्वारा बलात्कार केश में फंसा देने का भय दिखाकर एक्सट्रोसन कर मोटरसायकल चालक से पैसा लेते थे। 3 मार्च प्रार्थी बैजूराम नेताम निवासी बफना को योजनाबध्द तरीके से एक्ट्रोसन कर 80000 रूपये मांग किये जिसमे प्रार्थी द्वारा 60000 रूपये देने से छोडा गया। इसी प्रकार 6 मार्च को प्रार्थी भोजूराम निवासी मुलमला से बलात्कार केश में फंसाने के नाम पर एक्सट्रोसन कर 50000 रूपये मांग किये। जिस पर भोजू राम नगदी 15500 रूपये देने पर बाकी शेष राशि को दूसरे की बात पर आरोपीगण अपने पास मोबाईल और मोटर सायकल को रखे थे।

जिस पर थाना कोंडागांव में अपराध

माता पार्वती को दी गई विदाई, भोलेनाथ संग माता पार्वती पहुंचे पशुपतिनाथ मंदिर

किरंदुल। महाशिवरात्रि का पर्व पूरे भारत मे भगवान शंकर और मां पार्वती के कल्याणम यानि विवाह के लिए मनाया जाता है और भक्त पूरी श्रद्धा पूर्वक शिव आराधना करते है। किरन्दुल नगर में महाशिवरात्रि के अवसर पर 07 मार्च को पशुपतिनाथ मन्दिर रिंग रोड नम्बर चार कोडेनार से शिव कलश की पूरे रीति रिवाज के साथ पूजा कर भगवान शिव की बाजे गाजे भूत,पिसाच व देवताओ की झांकी के साथ बारात निकाली और गांधी नगर स्थित पहाड़ी वाले शिव मंदिर पहुंची जहां विधिविधान से विवाह विधि की गई। आज 9 मार्च को बारात की विदाई पूरे हिन्दू रीति के साथ की गई पहाड़ी वाले शिव मंदिर वधू पक्ष बनकर बाती मिलाई,की रस्म करवा कर नेक भी दिया। कपड़े फल मिठाई इत्यादि दिया। वर पक्ष से विदा करवाने पहुंचे सभी को तिलक कर श्रीफल से सम्मान देकर विदाई की। ढोल नगाड़े के साथ नगर भ्रमण करते हुए डोली पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची जहां महिलाओं ने आरती उतार कर स्वागत किया उसके बाद भगवान शिव की आरती ओर प्रसाद वितरण कर विवाह कार्यक्रम की समाप्ति की गई। आपको बता दें किरन्दुल नगर में पहली बार भगवान शिव की बारात का आयोजन महादेव युवा समिति द्वारा किया गया। मन्दिर के वरिष्ठ द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने वाले महादेव युवा समिति के युवाओं को श्रीफल व गमछा पहनकर प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया।

जल जीवन मिशन अंतर्गत कोड़ेनार पंचायत के लोगों को घर घर मिलेगा पानी

किरंदुल। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आते ही जनहित का कार्य ग्राम पंचायत कोड़ेनार में प्रारम्भ हो गया हैं। बता दें जल जीवन मिशन के अंतर्गत 1 करोड़ 27 लाख की लागत से कोड़ेनार पंचायत के पटेलपारा, भीमापारा, सुकरु कैम्प, तालाबपारा, फॉरेस्ट कॉलोनी, सरपंच पारा व गजानन पारा के निवासियों को घर घर पानी पहुंचाया जाएगा। जिसका भूमि पूजन शनिवार किया गया। सरपंच मीना मण्डावी ने बताया कि उक्त कार्य के लिए भूमिपूजन आज हुआ हैं व जल्द ही यह कार्य शुरू हो जायेगा। इस दौरान भाजपा किरन्दुल मंडल अध्यक्ष धरमपाल मिश्रा, डीएमएफ सदस्य दीनानाथ ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र गुप्ता, तपन दास, उपसरपंच साबी तपन दास, निमाई पाल, जोविन्स पापाचन, रमेश देशमुख पंचगण तथा ग्रामीण मैजूद थे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर डड़सेना समाज द्वारा प्रसाद वितरण किया गया

किरंदुल। महाशिवरात्रि की पावन अवसर पर शुक्रवार को डड़सेना कलार (सिन्हा) समाज द्वारा गांधीनगर शिव मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण किया गया।बता दें उक्त मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर ही भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना के लिए सुबह से ही देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा।इस दौरान एनएमडीसी मुख्य महाप्रबंधक पद्मनाभ नाईक, उपमहाप्रबंधक बी के माधव,एएम /एनएस सीएसआर प्रमुख डॉ तेजप्रकाश, समाज के अध्यक्ष अनिल शार्दूल, सचिव के पी सिन्हा,कोषाध्यक्ष लोमन सिन्हा उपस्थित थे।

4 कारणों से कलर्स का नया शो, 'मंगल लक्ष्मी' किसी आम डेली सोप ड्रामा से बिल्कुल अलग है

कलर्स का नया शो 'मंगल लक्ष्मी' धूम मचा रहा है, और गृहणियों, इंफ्लूएंशर्स और मीडिया समीक्षकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यह महज़ एक और लोकप्रिय टेलीविज़न सीरीज़ नहीं है; यह कुछ ऐसा है जो आज के समाज की हकीकत से पूरी तरह मेल खाता है, जिससे यह दर्शकों के लिए और अधिक प्रासंगिक बन जाता है। मंगल के रूप में दीपिका सिंह, लक्ष्मी के रूप में सानिका अमित, मंगल की सास के रूप में उर्वशी उपाध्याय, और अदित के रूप में नमन शॉ के शानदार परफॉर्मेंस के साथ, यह पारिवारिक ड्रामा संबंधित पलों, दिल को छूने वाली भावनाओं, और प्रासंगिक विषयों का मिक्स्ड बैग है। यहां ऐसे शीर्ष चार कारण बताए गए हैं, कि क्यों 'मंगल लक्ष्मी' को ज़रूर देखना चाहिए! दो बहनों की अनोखी कहानी- टेलीविज़न पर हम अक्सर दो बहनों को एक ही लड़के को आकर्षित करते हुए देखते हैं, और इसके लिए वे एक-दूसरे के खिलाफ भी जा सकती हैं, और इसलिए, मंगल लक्ष्मी आपके आम सिस्टर ड्रामा से अलग है।

महाशिवरात्रि पर थाना परिसर में महाभंडारे का आयोजन

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल स्थित थाना परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहू के नेतृत्व में एक दिन बाद थाना परिसर स्थित बाबा भोलेनाथ मंदिर में भक्त जनों के लिये विशेष रूप से महाभंडारे का आयोजन किया गया जिसमें किरंदुल थाना के सभी पदस्थ अधिकारी, सैनिक बलों ने अपना विशेष रूप से भंडारे के आयोजन में भक्त जनों को भोजन वितरण करने में अपनी सेवाएं दी। इस भंडारे में सभी धर्मों के लोग एकजुटता के साथ सम्मिलित होकर भंडारे का आनंद लिये व भक्त जनों के आगमन से थाना परिसर स्थित शिव मंदिर पूरा भक्तिमय हो गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर निशा स्वर फाउंडेशन के संग एक उड़ान मातृत्व के नाम कार्यक्रम का आयोजन

नारी जननी है संसार की रचिता है, शक्ति है : श्रीनिवास राव माद्दी

जगदलपुर। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन जगदलपुर के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में निशा स्वर फाउंडेशन के संग एक उड़ान मातृत्व के नाम कार्यक्रम का आयोजन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धरमपुरा जगदलपुर में किय गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर आए श्रीनिवास राव माद्दी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महीला दिवस पर महिलाओं की तारीफ करते हुए कहा कि नारी जननी है संसार की रचिता है, शक्ति है उन्होंने मातृत्व वंदन योजना की जानकार देते हुए बताया की 5000 तीन किस्तों में गर्भकाल के दौरान और 1000 रुपए जननी सुरक्षा योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती माता को केन्द्र सरकार के द्वार दी जा रही है साथ ही साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए महतारी वंदना योजना शुरू की है. इस योजना के तहत, पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी. यह राशि सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में ट्रांसफ़र कर दी जाएगी जिसका पहला किस्त जल्द ही महिलाओं के खाते में जमा होगा इस प्रकार उन्होंनो केन्द्र और राज्य सरकार को महिलाओ की सरकार कहा और महीला दिवस की सभी महिलाओ को सुभकामनाएं दी। निशा स्वर फाउंडेशन के संस्थाप निशा नागवांसी ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 215 गर्भवती महिलाओं और 102 मीतानिनो को उनके मातृ एवं शिशु स्वस्थ मे लिए जा रहे कार्यो का सम्मान कर उन्हे उपहार के साथ, सेनेट्री पैड, पोषक लड्डू और गर्भ कल के दौरान क्या करे और क्या ना करे इसकी जानकारी वाला पर्चा दीया गया साथ ही साथ उन्होंने स्वस्थ विभाग के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए डॉक्टरों और कर्मचारेयी को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रत्येक माह के 09 ओर 24 तारीख को अयोजित की जानी वाली प्रधानमन्त्री सुरक्षित मातृत्व आभियान (PMSMA) में गर्भवती माताओं की निःशुल्क जांच एवं उपचार के साथ-साथ पोस्टिक भोजन भी दीया जाता है। इसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हांकित कर उनके सुरक्षित प्रसव की प्लानिंग करना जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु मे कमी लाई जा सके। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीनिवास राव मद्दी जी अध्यक्ष पूर्व निगम वन मंडल,पद्मश्री धरमपाल सैनी जी, जिला पंचायत अध्यक्ष जगदलपुर वेदवती कश्यप, महापौर सफीरा साहू, संजय पांडे जी नेता प्रतिपाक्ष, निर्मलकर पाणिग्रही पार्षद, सुध मिश्रा , सुरेश गुप्ता, लक्ष्मी काश्यप, अतुल कौशल, विजय भारत, एल. ईश्वर राव, शिवेंश मिश्रा, रिंकू पांडे, श्रीपाल नहाटा, निशा स्वर वेलफेयर फाउंडेशन से संस्था के संस्थापक निशा नागवंशी, सह संस्थापक झरना मोहंती, शतिंदर पल सिंह, सुरेंद्र मोहंती, तसीश उपाध्याय, प्रयास चिखिलीकर, रजत जैन, शिवांगी मिश्रा, विशाल नारायण शुक्ला के अलावा स्वास्थ विभाग से जिला टिकाकरण अधिकरी डॉ सी. मैत्री, डी.पी.एम.डॉ.रीना लक्ष्मी, डॉ. पुनम गजभीम, डॉ. एंजिल पलक बी.संतोष संभागीय सलाहकार, संजीव दुबे शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, नईम कुरैशी मितानिन क्वाडिनेट, के अलावा मितानिन ट्रेनर, स्टाफ नर्स, सी.एच.ओ., ए.एन.एम., एम.पी. डब्ल्यू. के साथ बड़ी संख्या में मितानिन और अन्य लोग शामिल हुए।

#HerHealthFirst कैंपेन के साथ एमवे इंडिया ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस किया महिलाओं की खुशहाली के लिए समर्पित

रायपुर एमवे इंडिया, स्वास्थ्य और खुशहाली बढ़ाने के लिए काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है। #InspireInclusion के ज़बरदस्त वैश्विक आह्वान के बीच, यह #HerHealthFirst के मजबूत दृष्टिकोण के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य को सबसे ज्यादाप्राथमिकता देने के लिएअटूट प्रतिबद्धता के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सबसे आगे रही। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण बातचीत को प्रोत्साहित करना और ज़ोरदार बनाना था।इसके अंतर्गत कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में अपना विकास करने कीइच्छा रखने वाली सभी महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और खुशहालीके लक्ष्य और अपने सपने पूरे करने के लिए अपनी क्षमताओं को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने का प्रयास करने में लगे रहने का शक्तिशाली संदेश दिया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, रजनीश चोपड़ा, प्रमुख, एमवे इंडिया ने जोर देकर कहा, एमवे में, हम मानते हैं कि महिलाएं ही हैं जो बड़े बदलाव लाती हैं। स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए कमर कसकर काम करते हुए, हम यहअच्छी तरह जानते हैं कि अपने परिवारों कोखुशहालरखने में महिलाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब महिलाओं को महत्वपूर्ण निर्णय लेने की शक्ति मिलती है, तो जीवन के हर चरण में बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिलते हैं।

बॉलीवुड के कुछ कपल ऐसे हैं जो अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। इन्हीं कपल में से एक हैं अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा। अर्जुन कपूर और मलाइका एक स्थिर रिश्ते में हैं। शुरू में दोनों ने अपने रिश्ते के बारे में चुप्पी साधी हुआ थी।

साइनस की समस्या

इन घरेलू उपायों से तुरंत मिलेगी राहत

साइनस एक ऐसी बीमारी है जिसमें साँस लेने में तकलीफ, आवाज में बदलाव, तेज सिरदर्द, बलगम आना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। सर्दियों में साइनस की समस्या बढ़ जाती है। कई लोग साइनस के लिए दवाइयां लेते हैं लेकिन इस बीमारी को घरेलू उपचारों की मदद से भी ठीक किया जा सकता है।

सर्दी-जुकाम होना एक आम बात है। लेकिन कई लोगों को हमेशा सर्दी-जुकाम रहता है जो साइनस या साइनोसाइटिस के कारण हो सकता है। साइनस एक ऐसी बीमारी है जिसमें साँस लेने में तकलीफ, आवाज में बदलाव, तेज सिरदर्द, बलगम आना जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। सर्दियों में साइनस की समस्या बढ़ जाती है। कई लोग साइनस के लिए दवाइयां लेते हैं लेकिन इस बीमारी को घरेलू उपचारों की मदद से भी ठीक किया जा सकता है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं जो साइनस से छुटकारा दिलाने में आपकी मदद करेंगे -

क्या है साइनस

साइनस विशेष तरह का दर्द है, लेकिन इसे सामान्य दर्द की तरह समझा जाता है और इसका इलाज भी उसी तरह से किया जाता है। यही कारण है की यह बढ़ता चला जाता है। शुरूआत में साइनस का दर्द बिल्कुल माइग्रेन की तरह लगता है, लेकिन ध्यान से देखा जाये तो साइनस और माइग्रेन के दर्द अलग-अलग होते है। जब चेहरे पर स्थित साइनस कैविटीज से जुडे.टिशूज में सूजन आ जाती है तो इसे ही साइनस या साइनोसाइटिस कहते हैं। आम भाषा में कहें तो जिसमें आपकी श्वास नली में सूजन आ जाती है या नाक की हड्डी बढ़ जाती है और सांस लेने में दिक्कत होती है। साइनस का दर्द चेहरे के अगले हिस्से मसलन गले, नाक, आंखों के आसपास के हिस्से और गालों में होता है। इससे सिर भारी-भारी सा लगता है और बोलते समय आवाज भी साफ नहीं निकलती।

साइनस के कारण

साइनस का मुख्य कारण साइनस के अंदर की चिपचिपी झिल्ली में सूजन आ जाना है। साइनस की झिल्ली में सूजन की कई सारी वजहें हैं,

मसलन नाक की हड्डी का टेढ़ा होना या फिर नाक की हड्डी बढ़ जाना, बढ़ता हुआ प्रदूषण, धूल मिट्टी से एलर्जी, दांतों में दर्द, दूषित पानी का सेवन आदि, जो साइनस की वजह बन जाते हैं।

मास्क पहनकर बाहर निकलें

ठंड के मौसम में बाहर निकलते समय मास्क पहनें और अपना चेहरा ढँक लें क्योंकि धूल, प्रदूषक और एलर्जी साइनस की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

हाथों को धोएं

खाने से पहले और बाहर से आने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह धोएं ताकि मुंह में कीटाणु ना घुसें और सर्दी-जुकाम ना हो।

स्टीम

साइनस के दर्द के इलाज का सबसे आसान व प्रभावी घरेलू उपाय है स्टीम। स्टीम नाक के मार्ग को खोलने में मदद करती है। साथ ही इससे साइनस प्रेशर भी कम होता है। स्टीम लेने के लिए पहले आप एक बर्तन में पानी डालकर उसे उबालें और अब उस बर्तन के उपर अपना मुंह रखें। इसके बाद आप अपने सिर के उपर तौलिया रखें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि भाप आपके नाक के रास्ते भीतर जाए।

संतुलित आहार

साइनस की समस्या से बचने के लिए ताजे फल, सब्जियों और साबुत अनाज से भरपूर संतुलित आहार लें। प्रोसेस्ड, जंक और तैलीय खाद्य पदार्थों से बचें क्योंकि यह साइनस की समस्या पैदा कर सकते हैं। इसके साथ ही शराब और धूम्रपान से दूरी बनाकर रखें।

गर्म तरल पदार्थ का सेवन

अगर आप साइनस से बचना चाहते हैं तो खुद को हाइडेटेड रखें। इसके लिए आप गुनगुने पानी, कॉफी, चाय या फलों के रस का सेवन

करें। गर्म तरल पदार्थों का सेवन करने से नाक आसानी से खुल जाती है।

वार्म कंप्रेस

वार्म कंप्रेस साइनस के दर्द व प्रेशर से राहत पाने का एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए आप एक तौलिए को गर्म पानी में डिप करें। अब इसे हल्का सा निचोड़कर अपने नाक व चीक्स के उपर रखें। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी।

एक्सरसाइज के बिना भी रहना चाहते हैं फिट तो अपनाएं यह आसान टिप्स

एक्सरसाइज के बिना भी रहना चाहते हैं फिट तो अपनाएं यह आसान टिप्स

आमतौर पर, लोग अपनी फिटनेस के लिए अलग से समय नहीं निकाल पाते हैं। लेकिन अगर आप खुद को अधिक हेल्दी व एक्टिव बनाना चाहते हैं तो इसका आसान तरीका है कि आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करें।

आपने अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुना होगा कि अगर अपनी सेहत का ख्याल रखना है तो एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए। सेहतमंद रहने और एक्सरसाइज करने का आपस में एक गहरा नाता है। लेकिन फिर भी ऐसे कई लोग होते हैं, जो एक्सरसाइज नहीं कर पाते। किसी के पास समय का अभाव है तो किसी को एक्सरसाइज करने में बहुत अधिक आलस्य आता है।

जिसके कारण लोगों को कम उम्र से ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। लेकिन अगर आप एक्सरसाइज किए बिना भी खुद को अधिक फिट व एक्टिव बनाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको कुछ आसान तरीकों को अपनाना चाहिए, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

लिफ्ट को कहें नो

आमतौर पर, लोग अपनी फिटनेस के लिए अलग से समय नहीं निकाल पाते हैं। लेकिन अगर आप खुद को अधिक हेल्दी व एक्टिव बनाना चाहते हैं तो इसका आसान तरीका है कि आप अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करें। मसलन, अगर आपकी बिल्डिंग में लिफ्ट है तो आप उसका इस्तेमाल करने से बचें। जहां तक संभव हो, सीढ़ियों से ही जाएं। इससे आप अपेक्षाकृत अधिक चहलकदमी कर पाएंगे, जिससे आपकी सेहत सुधरेगी।

साइकिल को बनाएं व्हीकल

आज के समय में लोगों को कहीं पर भी जाना होता है तो बाइक, स्कूटी या कार का इस्तेमाल करना अधिक पसंद करते हैं।

लेकिन अगर आपको आसपास कहीं पर जाना है तो इन व्हीकल्स की जगह आप साइकिल लेकर जाएं। साइकिल की मदद से आपका अच्छा वर्कआउट हो जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा। ना तो फिटनेस के लिए अलग से समय निकालना पड़ेगा, वहीं दूसरी ओर साइकिल चलाने से आपको बहुत अधिक आनंद भी आएगा।

अगर हो सिटिंग जॉब

आज के समय में अधिकतर लोग सिटिंग जॉब करते हैं, जिसके कारण उनका फिजिकल वर्कआउट बिल्कुल भी नहीं हो पाता।

स्किन का रखना है ख्याल तो ऐसे करें जोजोबा ऑयल इस्तेमाल

जोजोबा ऑयल में फैटी एसिड मौजूद होते हैं, इसलिए यह आपके क्यूटिकल्स के लिए भी उतनी ही बेहतरीन तरीके से काम करता है। बस आप अपने क्यूटिकल्स पर जोजोबा ऑयल लगाएं और मालिश करें। जोजोबा तेल एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है।

इन दिनों महिलाएं अपने ब्यूटी केयर रूटीन में ऑयल्स का इस्तेमाल करना बेहद पसंद करती है। फेस ऑयल से लेकर हेयर ऑयल, बॉडी ऑयल आदि का काफी इस्तेमाल किया जाने लगा है। लेकिन अगर आप एक ऑल-इन-वन ऑयल की तलाश में हैं तो सबसे अच्छा ऑप्शन है जोजोबा ऑयल। यह आपके बालों और त्वचा दोनों पर अद्भुत तरीके से काम करता है। इतना ही नहीं, अगर आप चाहें तो इसे कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। मसलन, जोजोबा तेल का उपयोग मॉइस्चराइजर से लेकर मेकअप रिमूवर, क्यूटिकल ट्रीटमेंट, फुट सॉफ्टनर, लिप बाम और सनबर्न रिलीफ ट्रीटमेंट के

रूप में किया जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको जोजोबा ऑयल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के कुछ बेहतरीन आइडियाज आपके साथ शेयर कर रहे हैं-

रूखी त्वचा को करे मॉइस्चराइज

जोजोबा तेल एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है। इसलिए अगर आपकी स्किन रूखी है तो ऐसे में आपको जोजोबा ऑयल को अपनी स्किन केयर रूटीन का हिस्सा अवश्य बनाना चाहिए।

आप अपनी स्किन में हाइड्रेशन को और बढ़ाने के लिए इस तेल की कुछ बूंदों को अपने पसंदीदा मॉइस्चराइजर में मिक्स करें। हालांकि, इस बात का भी ध्यान रखें कि जोजोबा ऑयल वाटर बेस्ड फामुर्लों के साथ अच्छी तरह से मिश्रित नहीं होता है।

खुरदुरे क्यूटिकल्स को करे नर्म

चूंकि जोजोबा ऑयल में फैटी एसिड मौजूद होते हैं, इसलिए यह आपके क्यूटिकल्स के लिए भी उतनी ही बेहतरीन तरीके से काम करता है। बस आप अपने क्यूटिकल्स पर जोजोबा ऑयल लगाएं और मालिश करें। यदि कोई अतिरिक्त तेल बच जाता है, तो उससे अपने हाथों और हथेलियों के पिछले हिस्से में मालिश करें ताकि हाथ हाइड्रेटेड व चिकने रहें।

सूखे होंठों को दें पोषण

ठंड के मौसम में होंठों का सूखना बेहद आम बात है। ऐसे में जोजोबा ऑयल की मदद से उसे अतिरिक्त पोषण दिया जा सकता है। आप चाहें तो इसे अपने लिप बाम में मिक्स कर लें या फिर इसे यूं ही इस्तेमाल कर लें। यह बहुत आसानी से अवशोषित हो जाता है, इसलिए आपको अपने होठों के ऑयली नजर आने की चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप रोजाना रात को सोने से पहले सूखे, फटे होंठों पर जोजोबा तेल लगाएं।

बढ़ाएं स्किन की चमक

कई बार स्किन में डिहाइड्रेशन के कारण डलनेस नजर आती है। ऐसे में आप अपनी स्किन की नमी को बढ़ाकर उसकी चमक को बढ़ा सकते हैं और इसमें जोजोबा तेल यकीनन आपकी मदद करेगा। आपको बस इतना करना है कि क्लींजिंग के बाद सुबह और शाम पांच-पांच बूंद अपने चेहरे पर लगाएं। यह जल्दी से अवशोषित हो जाएगा और आपको फिर अपने फेस को पानी से भी धोने की आवश्यकता नहीं है।

मोदी की गारंटी

विष्णु देव साय का सुशासन

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्य स्तरीय महापंचायत

11 मार्च 2024,

साइंस कॉलेज मैदान, रायपुर

श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल

राज्यमंत्री, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार
की गरिमामयी उपस्थिति में

विभिन्न योजनाओं की राशि का अंतरण

- प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितग्राहियों हेतु राशि का अंतरण
- 833 ज्ञानोदय वाचनालय हेतु 25 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण
- अनुसूचित क्षेत्र की 600 ग्राम पंचायतों में कंप्यूटर प्रदाय हेतु राशि का अंतरण

सम्मान समारोह

- सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के विविध कार्यों के लिए सरपंचों का सम्मान
- लखपति दीदियों का सम्मान
- ड्रोन दीदी का सम्मान
- नियद नेल्लानार ग्राम पंचायतों के सरपंचों का सम्मान

सशक्त पंचायत | मजबूत छत्तीसगढ़ | सुदृढ़ भारत

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क